

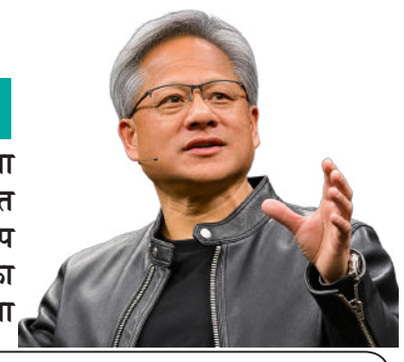
04
भगवान श्रीराम का दिव्य जन्मोत्सव

इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ

04
एनवीडिया की प्रतिबंधित एआई चिप तस्करी का खुलासा



youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, सोमवार, 23 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 65, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

CTI का दावा- प्रधानमंत्री की अपील के बाद महंगे भाव पर खरीदारी से बचे ज्वैलर्स; शादी के सीजन में ग्राहकों को भी मिली बड़ी राहत, अब बाजार को लेकर समय-समय पर मार्गदर्शन देने की मांग

थैंक्यू मोदी जी! बचा लिया

मृदुभाषी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोना नहीं खरीदने की अपील को लेकर अब व्यापारियों की ओर से तारीफ सामने आ रही है। जिस सलाह को लेकर पहले राजनीतिक और कारोबारी हलकों में बहस छिड़ गई थी, उसी को लेकर चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद पत्र लिखा है। व्यापारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री की अपील के बाद उन्होंने महंगे भाव पर सोना खरीदने से परहेज किया और अब कीमतों में आई बड़ी गिरावट के कारण वे संभावित आर्थिक नुकसान से बच गए।

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल के मुताबिक, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोना नहीं खरीदने की सलाह दी थी, उस समय सोने का भाव करीब 1.90 करोड़ रुपये प्रति किलो था। अब यह घटकर लगभग 1.25 करोड़ रुपये प्रति किलो रह गया है। इस तरह कीमत में प्रति किलो करीब 65 लाख रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। खरीदारों के लिए भी बड़ी राहतः कीमतों में आई इस गिरावट को अगर 10 ग्राम के हिसाब से देखें तो पहले करीब 1.90 लाख रुपये में मिलने वाला सोना अब लगभग 1.25 लाख रुपये के स्तर पर आ गया है। यानी प्रति 10 ग्राम करीब 65 हजार रुपये का अंतर सामने आया है। हालांकि, वास्तविक खुदरा कीमतें शुद्धता, मेकिंग चार्ज, टैक्स और बाजार के भाव के अनुसार अलग हो सकती हैं। CTI चेयरमैन बृजेश गोयल का कहना है कि देशभर में लाखों ज्वैलर्स अपने कारोबार के लिए कई महीनों का सोना स्टॉक में रखते हैं। यदि व्यापारियों ने उस समय ऊंचे भाव पर बड़ी मात्रा में सोना खरीदकर स्टॉक किया होता और बाद में कीमतों में इतनी बड़ी गिरावट आती, तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता था।



व्यापारियों के ग्रुप में गूंजा- मोदी जी ने बचा लिया

व्यापारियों के बीच प्रधानमंत्री की अपील को लेकर अब सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। संगठन का दावा है कि उसके विभिन्न कारोबारी ग्रुपों में ज्वैलर्स संदेश भेजकर कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री की सलाह ने उन्हें महंगे भाव पर खरीदारी करने से रोक दिया। कई व्यापारियों की प्रतिक्रिया का सार है- 'मोदी जी ने बचा लिया।'

शादी के सीजन में ग्राहकों को भी फायदा

सोने की कीमतों में गिरावट का असर शादी-विवाह की खरीदारी पर भी पड़ रहा है। CTI के मुताबिक, इस शादी के सीजन में देशभर में करीब 52 लाख शादियां होने का अनुमान है। ऐसे में सोने के भाव कम होने से उन परिवारों को राहत मिल सकती है, जिन्हें शादी के लिए आभूषण खरीदने हैं। ज्वैलरी बाजार में कीमतों का उतार-चढ़ाव सीधे ग्राहकों के बजट को प्रभावित करता है।

PM मोदी से आगे भी सलाह देने की अपील

CTI ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि वे समय-समय पर सोने और चांदी के बाजार को लेकर व्यापारियों तथा आम लोगों को मार्गदर्शन देते रहें। संगठन का मानना है कि बाजार में अनावश्यक सट्टेबाजी और जमाखोरी को नियंत्रित करने में ऐसी सलाह उपयोगी हो सकती है। व्यापारियों ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया है।

क्या है CTI, जिसने PM को लिखा पत्र?

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री यानी CTI दिल्ली-NCR के व्यापारियों और कारोबारियों का संगठन है। यह दिल्ली के थोक और खुदरा बाजारों से जुड़े व्यापारिक मुद्दों, समस्याओं और मांगों को सरकार तथा संबंधित विभागों के सामने उठाता है। संगठन व्यापारियों के हितों से जुड़े मामलों में सक्रिय भूमिका निभाता है। हालांकि, इसका प्रमुख कार्यक्षेत्र दिल्ली और आसपास कारोबारी इलाके हैं।

एक दिन पहले लखनऊ में PM ने किया जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लखनऊ में अपने संबोधन के दौरान सोना नहीं खरीदने की अपील का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि करीब एक साल पहले उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया था कि यदि बहुत जरूरी न हो तो सोना खरीदने से बचें। प्रधानमंत्री के मुताबिक, देश के लोगों ने उनकी बात मानी और सोने की खरीदारी कम हुई।

पीएम मोदी संग अयोध्या-जनकपुरधाम ट्रेन का करेंगे उद्घाटन

नेपाल के पीएम बालेन शाह पहुंचे नई दिल्ली

मृदुभाषी। नई दिल्ली

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अपने पहले द्विपक्षीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंच गए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, कल राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा, जिसके बाद वे राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बीच द्विपक्षीय बैठक आयोजित होगी। वार्ता के बाद दोनों देशों के शीर्ष नेता भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या और नेपाल स्थित माता सीता की जन्मस्थली जनकपुरधाम के बीच चलने वाली नई ट्रेन सेवा का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे। अयोध्या से जनकपुरधाम के बीच चलने वाली यह ट्रेन कुल 604 किलोमीटर का सफर तय करेगी। इसके प्रमुख ठहरावों में अयोध्या धाम, गोरखपुर, बस्ती, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, मधुबनी और जयनगर स्टेशन शामिल हैं। साप्ताहिक रूप से संचालित होने वाली यह ट्रेन जनकपुरधाम से प्रत्येक शनिवार को तथा अयोध्या कैंट से प्रत्येक सोमवार को रवाना होगी। इस नई रेल सेवा के शुरू होने से भारत और नेपाल के दो प्रमुख रामायणकालीन तीर्थस्थलों के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होगा। इससे न केवल दोनों देशों के श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए सुगम यात्रा की सुविधा मिलेगी, बल्कि बिहार और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों को भी पढ़ाई, कारोबार और पारिवारिक मेल-मिलाप के लिए आवागमन का एक बेहतर नया विकल्प उपलब्ध होगा।



आनंदराज अंबेडकर के बयान से गरमाई सियासत, पुराने विवाद का जिक्र कर सरकार को घेरा

जालना। रिपब्लिकन सेना प्रमुख आनंदराज अंबेडकर ने जालना में दिए अपने बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में वर्ष 2013 के पुराने विवाद को एक बार फिर हवा दे दी है। रिपब्लिकन सेना के 28वें स्थापना दिवस के अवसर पर अंबेडकर ने राज्य सरकार की 'पानी रोको, पानी रिचार्ज करो' जल संरक्षण नीति पर सवाल खड़े करते हुए दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार का नाम लिया, जिससे सियासी हलचल बढ़ गई। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद आनंदराज अंबेडकर ने स्थिति स्पष्ट करते हुए सफाई दी कि उन्होंने दिवंगत अजित पवार का नाम व्यंग्य के तौर पर लिया था और उनका इशारा अतीत में पानी की किल्लत पर दिए गए बयानों की ओर था। दरअसल, अंबेडकर का यह तंज अप्रैल 2013 के उस बहुचर्चित विवाद से जुड़ा था, जब तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सूखे और खाली बांधों को लेकर बेहद विवादित टिप्पणी की थी, जिस पर पूरे देश में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं।



राहुल गांधी ने बताया था सरकार की विफलता



प्रधानमंत्री की अपील के अगले दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि देश चलाना अब प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की अपीलों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि जनता से सोना नहीं खरीदने, विदेश यात्रा टालने, पेट्रोल कम इस्तेमाल करने, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाने, मेट्रो से चलने और घर से काम करने जैसी बातें कहना सरकार की विफलता को दर्शाता है।

नेमड्रॉप फीचर को लेकर स्टार्टअप ने ठोका 1,500 करोड़ का दावा

भारत में कानूनी पचड़े में एपल

मृदुभाषी। नई दिल्ली

अमेरिकी दिग्गज टेक कंपनी एपल (Apple) के लिए भारत में बड़ी कानूनी मुश्किल खड़ी हो गई है। अमेरिका स्थित स्टार्टअप कंपनी जीजी टेक्नोलॉजीज (ZEEZEE Technologies) ने आईफोन के चर्चित 'नेमड्रॉप' (NameDrop) फीचर को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में एपल के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

खास बात यह है कि इस स्टार्टअप की स्थापना आईआईटी दिल्ली के एक पूर्व छात्र ने की है। कंपनी ने एपल पर अपनी पेटेंट तकनीक चुराने का आरोप लगाते हुए करीब 1,500 करोड़ रुपये (15 अरब रुपये) के भारी-भरकम हर्जाने की मांग की है। साथ ही, भारत में नेमड्रॉप फीचर से लैस आईफोन और एपल वॉच की बिक्री व आयात पर रोक लगाने की अपील भी की गई है। अमेरिका के सांता मोनिका में स्थित जीजी टेक्नोलॉजीज ने बॉम्बे हाईकोर्ट में 781 पन्नों की विस्तृत याचिका दाखिल की है। स्टार्टअप का दावा है कि एपल का नेमड्रॉप फीचर उसकी 'StayTouch' ऐप में इस्तेमाल की गई तकनीक की हूबहू नकल है, जो दो मोबाइल डिवाइस के बीच संपर्क जानकारी साझा करने की सुविधा देती है। कंपनी ने अदालत से गुहार लगाई है कि एपल के ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस में इस फीचर के इस्तेमाल को रोका जाए। हालांकि, इस मामले में



अभी सुनवाई की तारीख तय नहीं हुई है, वहीं एपल की ओर से भी इस विवाद पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। एपल ने जून 2023 में आईओएस 17 के साथ नेमड्रॉप फीचर लॉन्च किया था, जिसे बाद में अक्टूबर 2023 में watchOS 10.1 के जरिए एपल वॉच के चुनिंदा मॉडल में भी शामिल किया गया। इस फीचर की मदद से दो यूजर अपने डिवाइस को केवल एक-दूसरे के करीब लाकर बिना नंबर टाइप किए या मैन्युअल पेयरिंग किए संपर्क जानकारी साझा कर सकते हैं। जीजी टेक्नोलॉजीज का कहना है कि आसपास मौजूद डिवाइस के साथ बिना मैन्युअल पेयरिंग के कॉन्टैक्ट शेयर करने की यह तकनीक उसके भारतीय पेटेंट के दायरे में आती है और एपल ने बिना अनुमति इसी का इस्तेमाल किया है।

आतंकवाद और सिंधु जल संधि पर चर्चा को तैयार पाकिस्तान

मृदुभाषी। नई दिल्ली

पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मसूद मलिक ने रविवार को आतंकवाद के मुद्दे पर बयान देते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान अपने-अपने सबूत लेकर आएं और इस विषय पर बातचीत करें। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के कार्यक्रम में हिस्सा लेने भारत पहुंचे मलिक ने दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ सभी जरूरी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए भारत को पहले औपचारिक न्योता देना होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें अब तक भारत की ओर से द्विपक्षीय बातचीत का कोई निमंत्रण नहीं मिला है।

आतंकवाद से जुड़े सवाल पर मुसादिक मसूद मलिक ने जोर दिया कि इस संवेदनशील मुद्दे पर सबूतों के आधार पर संवाद होना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि आतंकवाद से पाकिस्तान भी प्रभावित रहा है और इसमें उसके हजारों नागरिकों की जान गई है। मलिक के अनुसार, पाकिस्तान विभिन्न मंचों पर पहले भी आतंकवाद के मुद्दे पर बातचीत की पेशकश कर चुका है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय बातचीत के साथ-साथ कई देशों की मौजूदगी में भी चर्चा की जा सकती है। उन्होंने दोहराया कि आप अपने सबूत लेकर आइए और हम अपने सबूत



लेकर आएंगे। सिंधु जल संधि को लेकर दिए गए अपने पुराने बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में मलिक ने कहा कि भारत ने फिलहाल इस मुद्दे पर बातचीत के लिए आमंत्रित नहीं किया है। हालांकि, यदि भारत की ओर से सिंधु जल संधि पर चर्चा का प्रस्ताव दिया जाता है, तो पाकिस्तान उसके लिए भी तैयार है। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसादिक मसूद मलिक 20 से 22 नवंबर तक भारत दौरे पर आए थे। वे नई दिल्ली में हुई शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। भारत ने SCO का सदस्य होने के नाते पाकिस्तान को इस कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता दिया था। इसके लिए पिछले महीने पाकिस्तान के राष्ट्रीय विरासत और संस्कृति मंत्री औरंगजेब खान खिची को आमंत्रित किया गया था।

सिर पर बंदूक तान बातचीत नहीं हो सकतीः शशि थरूर

मृदुभाषी। नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय बातचीत तभी शुरू हो सकती है, जब पाकिस्तान अपनी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी ढांचे को खत्म करे।

उन्होंने कहा, "जब किसी के सिर पर बंदूक तनी हो, तो कोई उससे बात नहीं करना चाहता। हम भी ऐसा नहीं करेंगे।" थरूर ने यह बयान पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मसूद मलिक के भारत दौरे के दौरान दिया। मलिक 20 से 22 नवंबर तक नई दिल्ली में आयोजित SCO सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम में शामिल होने आए थे। तीन साल में यह किसी पाकिस्तानी मंत्री की पहली भारत यात्रा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन की ओर से पाकिस्तान को सैन्य मदद की एक अमेरिकी पैनल रिपोर्ट पर भी थरूर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में दी गई जानकारी पर पिछले साल ऑपरेशन के दौरान ही चर्चा हो रही थी। थरूर ने कहा कि सरकार ने भले ही इस बारे में सार्वजनिक रूप से बात नहीं की हो, लेकिन उस समय दो बातें सामने आई थीं। पहली, पाकिस्तानी कमांड और कंट्रोल सेंटरों में चीनी इंजीनियर और अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि दूसरी बात चीन की ओर से पाकिस्तान को रियल-टाइम सैटेलाइट इंटेलिजेंस दिए जाने की थी। यह जानकारी उन्हें सेना के निवर्तमान उप प्रमुख के बयान से मिली थी।



मोदी के विमर्श के बाद शाह की रणनीति का दौर

शाह संभालेंगे यूपी की चुनावी कमान मिशन-2027 के लिए पकड़ी रफ्तार

मृदुभाषी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौशल दीक्षांत समारोह के मंच से उत्तर प्रदेश में भाजपा के चुनावी अभियान का बिगुल फूंक दिया है और अब इसे जमीन पर उतारने व धार देने की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह संभालेंगे। अगले महीने से उनके प्रदेश दौरे शुरू कराने की तैयारी जोर पकड़ रही है। सूत्रों के मुताबिक, तमाम कयासों को विराम देते हुए अमित शाह ही यूपी विधानसभा चुनाव के मुख्य रणनीतिकार होंगे, जिसके चलते



सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर उनके कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। अमित शाह का यह यूपी दौरा महज औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मिशन-2027 के लिए भाजपा के चुनावी रोडमैप की अगली अहम कड़ी माना जा रहा है। प्रदेश संगठन ने उनके दौरों की रूपरेखा तैयार कर ली है। दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम के जरिए पार्टी ने विकास, रोजगार और युवा शक्ति को चुनावी विमर्श के केंद्र में रखा था, जिसके बाद अब शाह के दौरों में संगठन की मजबूती, चुनावी समीकरणों की पड़ताल और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर फोकस रहने की संभावना है। बूथ प्रबंधन और सियासी समीकरण साधने की उनकी शैली के जरिए कार्यकर्ताओं को यह साफ संदेश दिया जाएगा कि केंद्रीय नेतृत्व ने यूपी चुनाव की तैयारियों को पूरी गंभीरता से आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है।

केंद्रीय नेताओं के दौरों से गरमाएगी सियासत

अमित शाह के कार्यक्रमों के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन समेत अन्य केंद्रीय नेताओं के दौरे भी प्रदेश में शुरू होंगे। इससे चुनावी गतिविधियां केवल शीर्ष नेतृत्व के भाषणों तक सीमित न रहकर संगठनात्मक स्तर पर भी तेज होंगी। पार्टी की योजना अगले महीने से उत्तर प्रदेश में चुनावी माहौल को लगातार सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखने की है।

ब्रोमेट और पीएएच मिलने के बाद सख्त कार्रवाई की तैयारी

बिसलेरी पानी के सैंपल में मिला खतरनाक रसायन, FSSAI ने दी प्रोसिक्यूशन की मंजूरी

मृदुभाषी। नई दिल्ली

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ प्रोसिक्यूशन शुरू करने की मंजूरी दी है। कंपनी के पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर का सैंपल जांच में असुरक्षित पाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया है। फूड रेगुलेटर ने रविवार, 22 नवंबर को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की।

एफएसएसएआई के अनुसार, "पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर (मिनरल वॉटर को छोड़कर)" श्रेणी का यह रेगुलेटरी सैंपल बिसलेरी इंटरनेशनल के परिसर से जांच के लिए लिया गया था। शुरुआती जांच में सैंपल के भीतर तय सीमा से अधिक ब्रोमेट पाया गया, जिसके चलते इसे एफएसएस एक्ट, 2006



के तहत असुरक्षित घोषित किया गया था। कंपनी ने इस फैसले के खिलाफ अपील की, जिसके बाद सैंपल को रेफरल फूड लैबोरेटरी भेजा गया। रेफरल लैबोरेटरी की जांच में भी सैंपल असुरक्षित पाया गया और उसमें पॉलीन्यूक्लियर एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन्स (पीएएच) की मौजूदगी दर्ज की गई। लैब रिपोर्ट से कानून के तहत असुरक्षित भोजन से जुड़े उल्लंघन की पुष्टि होने के बाद एफएसएसएआई ने बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ एफएसएस एक्ट, 2006 के तहत प्रोसिक्यूशन शुरू करने की स्वीकृति दी। रेगुलेटर के मुताबिक, इस कैलेंडर ईयर में फूड बिजनेस ऑपरेटर्स और ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी लाई गई है। सैंपल में पाए गए रसायनों को लेकर बताया गया है कि ब्रोमेट एक रासायनिक यौगिक है और पीने के पानी में इसकी मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक होना स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है। वहीं, पॉलीन्यूक्लियर एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन्स (पीएएच) रसायनों का एक समूह है, जो कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं और अधूरे दहन से बन सकता है तथा इसके कुछ यौगिकों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।



प्रकाश पर्व पर निकला भव्य नगर कीर्तन

सिख समाज ने की जल संकट से मुक्ति की अरदास

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को इंदौर में सिख समाज द्वारा भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इस उद्देश्य से आयोजन के लिए रविवार का दिन चुना गया था। सुबह 11 बजे इमली साहिब गुरुद्वारे से शुरू हुआ यह नगर कीर्तन राजवाड़ा, कृष्णपुरा ब्रिज, गांधी हॉल, रीगल तिराहा, आरएनटी मार्ग, पटेल ब्रिज और जवाहर मार्ग होते हुए करीब चार घंटे बाद पुनः गुरुद्वारे पहुंचकर संपन्न हुआ।

यात्रा में इंदौर के विभिन्न गुरुद्वारों के साथ ही बेटमा साहिब के जत्थे भी पारंपरिक अंदाज में शामिल हुए। इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धा के साथ सामाजिक सरोकार और स्वच्छता का संदेश भी देखने को मिला। शहर में इस वर्ष कम बारिश होने से आगामी गर्मियों में संभावित जल संकट को देखते हुए सिख समाज ने विशेष रूप से पर्याप्त पानी के लिए अरदास की। वहीं, नगर कीर्तन के आगे-आगे समाज की महिलाएं और बच्चे नंगे पैर झाड़ू लगाकर सड़कों की सफाई करते हुए चल रहे थे। यात्रा में शामिल पुरुष बसंती रंग की पगड़ी और सफेद कुर्ते में नजर आए, जबकि महिलाएं सफेद सलवार सूट और बसंती दुपट्टे में शोभा बढ़ा रही थीं।

हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों को किया मंत्रमुग्ध

सिख जवानों ने कई हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे यात्रा मार्ग पर जगह-जगह मंच लगाकर और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के सत्कार के लिए विभिन्न स्थानों पर पोहे के नाश्ते और चाय के स्टॉल भी लगाए गए थे। यातायात को सुचारू रखने के लिए पुलिस द्वारा मार्ग परिवर्तित किया गया था, वहीं श्री गुरु सिंघ सभा के कार्यकर्ता भी व्यवस्था संभालने में जुटे रहे।

स्वच्छता के सिरमौर की आबोहवा पर संकट

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। स्वच्छता में देशभर में अपनी अलग पहचान बना चुका इंदौर इन दिनों स्वच्छ हवा के मामले में गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। शहर की खराब सड़कें, जगह-जगह उखड़ा डामर, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, वाहनों का धुआं और लगातार सिमटती हरियाली वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले प्रमुख कारक बन रहे हैं। विडंबना यह है कि इंदौर के पास नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) के तहत कार्य योजना भी मौजूद है और प्रदूषण नियंत्रण के लिए विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियां भी तय हैं, लेकिन आपसी तालमेल की कमी के कारण अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ पा रहे हैं।

हरियाली 9 प्रतिशत तक ही रह गई

शहर में वायु प्रदूषण की चर्चा होते ही अक्सर पटाखों, वाहनों और औद्योगिक उत्सर्जन की बात होती है, जबकि सड़कों से उड़ने वाली धूल को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई प्रमुख मार्गों और आंतरिक सड़कों पर गड्ढे, अधूरे मरम्मत कार्य और खुदाई के बाद ठीक से रेस्टोरेशन न होने के कारण धूल के गुबार उठते हैं। भारी यातायात वाले मार्गों पर वाहनों के गुजरने से किनारों पर जमा मिट्टी दोबारा हवा में फैलती है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों से सफाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि सड़क की सतह सुधारने, मिट्टी हटाने और नियमित पानी का छिड़काव करने की भी सख्त जरूरत है। इसके साथ ही सड़क चौड़ीकरण और भवन निर्माण की भेंट चढ़े पुराने पेड़ों के कारण शहर में हरियाली मात्र सात से नौ प्रतिशत ही शेष रह गई है, और बचे हुए पेड़ों के आसपास भी कंक्रीट व पेवर ब्लॉक बिछा दिए गए हैं। पर्यावरणविदों के अनुसार वायु प्रदूषण को केवल मौसमी समस्या मानना बड़ी भूल है, क्योंकि हवा में लंबे समय तक मौजूद रहने वाले पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे सूक्ष्म कण श्वास संबंधी बीमारियों, अस्थमा और हृदय रोगों का खतरा बढ़ा रहे हैं।

चंडीगढ़ मॉडल से सुधर सकते हैं हालात



लगातार किए जा रहे प्रयास

दूसरी ओर, चंडीगढ़ ने सड़क किनारे हरियाली, ग्रीन बेड, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और नियमित सफाई जैसे छोटे लेकिन प्रभावी उपायों से वायु गुणवत्ता सुधारने में मिसाल पेश की है। यही कारण है कि नवंबर माह में दीपावली को छोड़कर वहां एक्यूआइ 100 के नीचे रहा और दीपावली पर भी यह महज 134 तक ही पहुंचा।

चंडीगढ़ की इस कार्यप्रणाली से सीख लेते हुए इंदौर में भी हरित पट्टियां विकसित करने, सड़कों की प्राथमिकता से मरम्मत करने, डीजल की जगह इलेक्ट्रिक बसें चलाने और कचरा जलाने पर सख्ती जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। इस मामले में निगमायुक्त क्षितिज सिंघल का कहना है कि शहर की आबोहवा सुधारने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क निर्माण कंपनियों को कार्य जल्द पूरा करने की हिदायत दी गई है और कई स्थानों पर सख्ती भी बरती जा रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब नजर आने लगे हैं।

ऑपरेशन मिडनाइट, पुलिस का कड़ा प्रहार

इंदौर। अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में शहर के चारों जोन के नेतृत्व में, 21-22 को शाम से देर रात्रि तक नगरीय इंदौर के संबंधित क्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ पुलिस फोर्स ने सभी थाना क्षेत्रों में गुंडे बदमाशों असामाजिक तत्व पर निगरानी एवं धरपकड़ के लिए, ऑपरेशन मिडनाइट के तहत सरप्राइज चैकिंग व पेट्रोलिंग की गई।

विधायक ने उतारी टीम की आरती

इंदौर। शहर के फूटी कोठी चौराहे से सालों पुरानी सब्जी मंडी हटाए जाने के विरोध में सब्जी विक्रेताओं का धरना-प्रदर्शन रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। ब्रिज के नीचे चल रहे इस आंदोलन को समर्थन देने के लिए रविवार को शहर कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने गांधीवादी तरीके से विरोध जताते हुए नगर निगम की रिमूवल टीम यानी पीली गैंग के सामने बेहद अनोखे अंदाज में अपनी बात रखी। कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव, विवेक खंडेलवाल सहित अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पहले पीली गैंग के कर्मचारियों को हाथ जोड़कर नमस्कार किया और फिर उनके सामने साष्टांग दंडवत होकर उनकी आरती उतारी।



गरीबों पर रहम करो

इस अनूठे विरोध के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने विनम्रतापूर्वक अपील करते हुए कहा कि अब बहुत हो गया है, इसलिए इन गरीब लोगों पर रहम किया जाए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भूमाफियाओं, बिल्डरों और उच्च अधिकारियों के दबाव में आकर गरीब सब्जी विक्रेताओं पर इतना जुल्म न ढहाया जाए। कुछ देर तक चले इस गांधीवादी प्रदर्शन और आरती के बाद नगर निगम की रिमूवल टीम वहां से रवाना हो गई। हालांकि, टीम के जाने के बावजूद सब्जी विक्रेताओं का धरना स्थल पर जारी है। प्रदर्शन कर रहे विक्रेताओं का कहना है कि वे पिछले कई वर्षों से इसी स्थान पर सब्जी बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं, लेकिन अचानक मंडी हटाए जाने से उनके सामने रोजी-रोटी और रोजगार का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सब्जी विक्रेताओं ने प्रशासन और नगर निगम से पुरजोर मांग की है कि उन्हें फूटी कोठी ब्रिज के नीचे ही व्यवस्थित जगह उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे दोबारा अपना कारोबार शुरू कर सकें और अपने परिवार का गुजर-बसर कर सकें।

जलसंकट के खिलाफ वार्ड-77 के रहवासियों का हल्लाबोल

बिलावली तालाब को नर्मदा जल से भरने की मांग, रहवासियों ने बनाई मानव श्रंखला

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर में गहराते जल संकट को लेकर वार्ड-77 के रहवासियों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रविवार को लिंबोदी इलाके से बड़ी संख्या में लोग बिलावली तालाब पहुंचे और तालाब को नर्मदा के पानी से भरने की मांग को लेकर मानव श्रृंखला बनाई।



इस अनूठे विरोध प्रदर्शन में बुजुर्गों से लेकर महिलाओं, युवाओं और बच्चों तक ने हिस्सा लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी पीड़ा रखी।रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र के करीब 25 प्रतिशत बोरिंग पूरी तरह सूख चुके हैं। नलों में पर्याप्त पानी नहीं आ रहा है और लोगों को टैंकरों के लिए भी भटकना पड़ रहा है।

यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में जल संकट और विकराल रूप ले सकता है। लोगों ने नगर निगम और जिला प्रशासन से मांग की है कि बिलावली तालाब को नर्मदा जल से भरा जाए, ताकि इलाके का भूजल स्तर सुधर सके और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो।

नागरिकों ने दिया 15 दिन का अल्टीमेटम

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को 15 दिन का अल्टीमेटम देते हुए पानी की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि स्थायी समाधान में समय लगता है, तो वैकल्पिक तौर पर सरकारी टैंकरों के माध्यम से वार्ड-77 के प्रत्येक घर तक पानी पहुंचाया जाए। रहवासी नरेश सिहाग ने कहा कि पानी की यह समस्या किसी एक मोहल्ले की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की है और हर घर तक पानी पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

इस प्रदर्शन में देवेंद्र वर्मा, सचिन भंडारी, आशीष शुक्ला, आनंद गर्ग, पराग सोनी और शैलेन्द्र असाटी सहित कई रहवासी शामिल हुए। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिन में समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो अगले रविवार पुनः सांकेतिक प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद बिलावली तालाब पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर चक्काजाम भी किया जाएगा।

'मिजार्पुर गैंग' के पांच युवक गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। बीच सड़क पर बाइक से खतरनाक स्टंटबाजी करना और सोशल मीडिया पर रील बनाना पांच युवकों को उस समय भारी पड़ गया, जब पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। खुद को मिजार्पुर गैंग बताने वाले ये पांचों युवक फिल्मी डायलॉग के साथ बाइक स्टंट कर रील बना रहे थे। लेकिन पुलिस की गिरफ्त में आते ही उनके तेवर ढीले पड़ गए और वे गिड़गिड़ाने लगे। गिरफ्तारी के बाद युवकों ने घुटनों पर चलकर माफी मांगी और भविष्य में कभी स्टंटबाजी न करने तथा दूसरों की जान जोखिम में न डालने की शपथ भी ली। खजराना टीआई केपी यादव के मुताबिक इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो तेजी से बहुप्रसारित हो रहा था, जिसमें युवक बाइकों का काफिला लेकर निकले थे और बीच सड़क पर स्टंट कर रहे थे। वायरल रील में माफिया लिखा गया था और वेब सीरीज व फिल्म मिजार्पुर का डायलॉग भी जोड़ा गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने वायरल वीडियो और वाहनों के नंबर के आधार पर सभी युवकों की पहचान की । टीआई के अनुसार पुलिस ने आरोपित अरशद अहमद निवासी हाथीपाला (रावजी बाजार), कुणाल यादव निवासी लाभम ग्रीन द्वारकापुरी, याहया फारुखी निवासी मदीना नगर, सरफराज खान निवासी आजाद नगर और शाहनवाज निवासी मदीना नगर आजाद नगर को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपितों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई के दौरान आरोपितों ने थाने में माफी मांगी और कैमरे के सामने कान पकड़कर अपनी गलती स्वीकार की।



पुलिस का कहना है कि सड़कों पर स्टंटबाजी कर आम लोगों की सुरक्षा खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कचरे के ढेर में मिला जला हुआ शव

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के आजाद नगर में शनिवार देर रात कचरे के ढेर में एक जला हुआ शव मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक शव पूरी तरह जल चुका था। पुलिस ने शव को शिनाख्त के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया है। फिलहाल मौत की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।टीआई लोकेश भदौरिया के मुताबिक, आई-2 रोड पर सिग्नेचर हाइट्स के पास कचरे के ढेर में शव जलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई और शव को बाहर निकाला। टीआई ने बताया कि घटनास्थल के पास राजपूत समाज का कार्यक्रम चल रहा था। इसमें शामिल एक युवक को कचरे के ढेर से बदबू आई। इसके बाद उसने डायल 100 पर सूचना दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची। अफसरों के मुताबिक, युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। मामला हत्या का है या सामान्य मौत का, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। आजाद नगर पुलिस ने रात में मौके पर डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम को बुलाया। घटनास्थल के आसपास तलाशी भी ली गई। पुलिस ने मौके से कुछ सैंपल जब्त किए हैं, जिनकी जांच की जाएगी।



स्क्रीन नहीं, सच्चे मित्र हैं तनाव की दवा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। आभासी सोशल मीडिया के दौर में जहां डिजिटल संपर्क लोगों को तनाव और अकेलेपन की ओर धकेल रहा हैं, वहीं वास्तविक मित्रों का साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे प्रभावी कवच है। यह संदेश पंडित जवाहरलाल नेहरू पॉलिटेक्निक, सनावद के पूर्व छात्रों के समूह 'सेणुद सखा' के पुनर्मिलन समारोह में सामने आया। इंजीनियरिंग, प्रशासन, उद्योग और विदेशी सेवाओं में चार दशक तक उच्च पदों पर सेवाएं देने के बाद इंदौर में आ बसे इन वरिष्ठ साथियों का आत्मीय समागम न्यू पलासिया स्थित एक रेस्तरां में हुआ। संयोजक महेंद्र मांडलिक ने कहा कि स्क्रीन का बढ़ता दखल तनाव जनित मानसिक विकार बढ़ा रहा है, जबकि पुराने मित्रों से मिलना मस्तिष्क को नई ऊर्जा देता है। कैंसर को मात देकर लौटे विक्रम सिंह चौहान ने कहा कि बढ़ती उम्र में अकेलेपन से अल्जाइमर, डिमेंशिया, पार्किंसन, एंग्जायटी, अनिद्रा और अवसाद जैसी बीमारियां शिकंजा कसती हैं, जिनसे बचाव का सर्वश्रेष्ठ उपाय। समारोह में राधाकृष्ण भटोरे, राजकुमार जैन, शैलेंद्र जैन, सुनील खर्चे, अनिल व्यास, राजेंद्र आर्य, प्रदीप द्विवेदी, प्रफुल्ल स्वस्तिक, अतुल जैन, सुभाष वर्मा, अब्दुल सलीम अंसारी, मात्रे, राजेंद्र गुप्ता, गिरधारी लाल गुप्ता, मंगलेश जैन, दिलीप शुक्ला और लोकेंद्र गुप्ता ने अन्य मित्रों के साथ नियमित मिलने का संकल्प लिया।

इंदौर-रतलाम से छह जोड़ी विशेष ट्रेनों का संचालन शुरु

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। नवंबर और दिसंबर माह में वैवाहिक समारोह और पर्यटन गतिविधियों के कारण ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। इसे देखते हुए रतलाम रेल मंडले ने रविवार से छह जोड़ी विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों का संचालन डॉ. अंबेडकर नगर, बांद्रा टर्मिनस, वलसाड, उधना और अहमदाबाद से गोरखपुर, रक्सौल तथा बरौनी के बीच किया जाएगा। इनका किराया विशेष श्रेणी का होगा।

पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि इन ट्रेनों का परिचालन 22 नवंबर से शुरू हो गया है इनके माध्यम से रतलाम, नागदा, उज्जैन, इंदौर और दाहोद सहित मंडल के विभिन्न स्टेशनों से यात्रियों को सुविधा होगी और उनके टिकट विशेष ट्रेनों के कारण कन्फर्म हो सकेंगे। ट्रेन संख्या 09327 डॉ. अंबेडकर नगर-गोरखपुर स्पेशल 22 नवंबर 2026 को शाम 6 बजे डॉ. अंबेडकर नगर से रवाना हुई । यह इंदौर, फतेहाबाद चंद्रावतीगंज, उज्जैन और मक्सी होते हुए मंगलवार रात 1 बजे गोरखपुर पहुंची। ट्रेन का ठहराव संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिजार्पुर, वाराणसी, जौनपुर, आजमगढ़, मऊ और देवरिया सदर सहित अन्य स्टेशनों पर भी रहेगा। इसमें स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच होंगे।

प्रीमैच्योर शिशुओं को बचाने में कारगर सीपीएपी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। देश में जन्म लेने वाले लगभग 13 प्रतिशत बच्चे समय से पहले यानी प्रीमैच्योर पैदा होते हैं, जिनके सामने सांस लेने की परेशानी सबसे बड़ी चुनौती होती है। रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम नवजातों की मृत्यु के प्रमुख कारणों में शामिल है।

ऐसे में यदि समय रहते सीपीएपी तकनीक उपलब्ध हो जाए, तो कई नवजातों को वेंटिलेटर पर जाने से पहले ही जरूरी श्वसन सहायता देकर उनकी जान बचाई जा सकती है। इसी उद्देश्य से रविवार को इंदौर में नवजात शिशुओं की श्वसन देखभाल पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला हुई, जिसमें इंदौर सहित उज्जैन, खंडवा, खरगोन और बड़वानी के करीब 90 डॉक्टरों ने भाग लिया।



जटिलताओं की पहचान का व्यावहारिक प्रशिक्षण

कार्यशाला में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को सीपीएपी मशीन के सही संचालन, सेटिंग, शिशु की निगरानी और जटिलताओं की पहचान का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, छोटे जिलों से गंभीर नवजातों को बड़े अस्पतालों में रेफर करने में अक्सर 6 से 7 घंटे लग जाते हैं, जो सांस की तकलीफ से जूझ रहे शिशु के लिए बेहद नाजुक समय होता है। जिला अस्पतालों में उढअढ सुविधा और प्रशिक्षित स्टाफ होने से रेफर करने से पहले ही शुरूआती मदद मिल सकेगी, जिससे जटिलताओं का खतरा काफी कम हो जाएगा।

ऑक्सीजन देकर फेफड़ों को खुला रखा जाता है

हैदराबाद के अंकुरा अस्पताल के नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ व इंटरनेशनल ट्रेनर डॉ. श्रीनिवास मुर्की ने बताया कि उढअढ एक नॉन-इनवेसिव तकनीक है, जिसमें नाक के जरिए नियंत्रित दबाव से हवा व ऑक्सीजन देकर फेफड़ों को खुला रखा जाता है। उन्होंने कहा कि वेंटिलेटर उपचार पर करीब 25 लाख रुपए तक खर्च आ सकता है, जबकि सीपीएपी मशीन 2 से 3 लाख रुपए में उपलब्ध है। हालांकि, गलत सेटिंग या फिटिंग से फेफड़ों को नुकसान भी हो सकता है, इसलिए सही प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्होंने जानकारी मे बताया कि प्रीमैच्योर शिशुओं के लिए मां को स्टेरॉयड, सर्फेक्टेंट, मां के दूध और कंगारू मदर केयर को भी अहम बताया। कार्यशाला का समन्वय इंदौर के डॉ. जफर खान और डॉ. प्रज्ञा दुबे ने किया।

जाहिर सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **श्री संजय भाटिया पिताश्री चुन्नीलाल भाटिया** द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र प्रस्तुत का सम्पत्ति का **खाता क्रमांक 9000186479** पता **प्रकोष्ठ क्र. एफ-15, भू.क्र. 15, के.बी. माल, योजना क्र. 31, स्नेह नगर, इंदौर** के नाम पर नामांतरण चाहा गया है। निगम रिकार्ड में दर्ज नाम **श्री प्रवीण पिताश्री हुकमतराम रतनानी**। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **22.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्तीय संस्था, बैंक, निकाय, व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह झोन क्रमांक 18 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्षमय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात व बिना लेखी प्रमाण आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी छत्रपति शिवाजी (कृषि विहार) झोन क्रमांक 18 नगर निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **श्री निलेश कुमार तलेरा, श्रीमती अमिता तलेरा** पिन **1001017500 पैकी भाग**, झोन क्र. 08 वार्ड क्र. 37 । पता **86-ए, महालक्ष्मी नगर, इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **22.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें । समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

श्री जैन दिवाकर गुरु मोहन 20वां राष्ट्रीय अवॉर्ड समारोह एवं जन्म-स्मृति गुणानुवाद सभा का हुआ भव्य आयोजन

जैन दिवाकर चौथमल महाराज की 150वीं जयंती पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब







मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इन्दौर। एयरपोर्ट रोड स्थित नरसिंह वाटिका में चातुमार्सार्थ विराजित महासती डॉ. कुमुदलता महाराज के पावन सान्निध्य में रविवार को जैन दिवाकर चौथमल महाराज की 150वीं जन्मजयंती के उपलक्ष्य में श्री जैन दिवाकर गुरु मोहन 20वां राष्ट्रीय अवॉर्ड समारोह एवं जन्म-स्मृति गुणानुवाद सभा का भव्य आयोजन किया गया।

इस दौरान साध्वी मंडल ने जैन दिवाकर के जीवन, आदर्शों और गुणों का भावपूर्ण गुणगान कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। वहीं, साध्वी महाप्रज्ञा महाराज की सुमधुर भजन प्रस्तुतियों ने पूरे पंडाल को भक्तिमय बना दिया।

बाबूलाल पितलिया को मिला 20वां राष्ट्रीय अवॉर्ड

समारोह के दौरान अभय पोखरना परिवार की ओर से बाबूलाल पितलिया को श्री जैन दिवाकर गुरु मोहन 20वां राष्ट्रीय अवॉर्ड प्रदान किया गया। इसके साथ ही समाज व युवा वर्ग में उत्कृष्ट योगदान के लिए अभिषेक माहर को जैन दिवाकर युवा रत्न सम्मान से नवाजा गया। धर्मसभा की सबसे बड़ी और विशेष उपलब्धि एक मासक्षमण की पचक्खावनी रही। जयपुर निवासी राजेंद्र जैन पोरवाल ने एक माह की कठोर तपस्या का संकल्प लेकर पचक्खावनी ग्रहण की। सभा में मौजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ उनकी तप आराधना की अनुमोदना की।

मंत्री तुलसी सिलावट सहित देश भर से पहुंचे गुरु भक्त

धर्मसभा में मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम में अरुण मेहता, रमेश भंडारी, सुनील चोरड़िया सहित अनेक गणमान्य जनों ने अपने विचार व्यक्त किए। आयोजन में चित्तौड़ सहित देशभर से बड़ी संख्या में गुरु भक्त दर्शन-वंदन हेतु पहुंचे। श्रीसंघ की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया गया। समारोह का संचालन संकल्पमय चातुर्मास समिति के मुख्य समन्वयक जिनेश्वर जैन ने किया।

जैन दिवाकर मेले का लोकार्पण और गौतम प्रसादी

कार्यक्रम परिसर में आयोजित श्री जैन दिवाकर मेले का लोकार्पण बाबूलाल पितलिया परिवार द्वारा किया गया, जहां विभिन्न आकर्षक स्टॉल लगाए गए। इसके अतिरिक्त, संपूर्ण कार्यक्रम की गौतम प्रसादी का लाभ भी बाबूलाल पितलिया परिवार ने लिया। कार्यक्रम के दौरान श्रीसंघ की ओर से लाभार्थी परिवार का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, तीन श्रद्धालुओं की मौत, 33 घायल



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

सागर। जिले में नेशनल हाईवे-44 पर नीम घाटी के पास रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नर्मदा स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 33 ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रैक्टर-ट्रॉली में कुल 36 लोग सवार थे, जो बांदरी तहसील के ग्राम गढ़हौला गोसाई के निवासी हैं और बरमान में नर्मदा स्नान व पूजा-अर्चना के बाद अपने गांव वापस लौट रहे थे।

हादसा इतना भयावह था कि ट्रॉली पलटते ही कई ग्रामीण उसके नीचे दब गए और कुछ सड़क पर दूर जा गिरे। मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों के हाथ-पैर टूट गए हैं और चेहरों पर भी गंभीर चोटें आई हैं। देवरी एसडीएम मुनव्वर खान ने बताया कि मृतकों की पहचान रक्षा प्रजापति, प्रेमरानी यादव और राकेश यादव के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाया गया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

50 लाख के लालच में गोद लिए बेटे ने की पिता-बहन की हत्या

17 वर्षीय किशोर के साथ मिलकर दिया वारदात को अंजाम,इंदौर डबल मर्डर का सनसनीखेज खुलासा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इन्दौर। शहर के कालानी नगर में हुए पिता राजू यादव और बेटी हर्षिता के दोहरे हत्याकांड में पुलिस जांच के दौरान चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इस जघन्य वारदात का मुख्य आरोपी 28 वर्षीय हर्ष यादव, राजू यादव का सगा बेटा नहीं बल्कि गोद लिया हुआ पुत्र है। करीब 28 साल पहले राजू ने एक गरीब परिचित परिवार से हर्ष को गोद लेकर अपने सगे बेटे की तरह पाला था, लेकिन संपत्ति के लालच में उसी ने पूरे परिवार को खत्म कर दिया।

हत्याकांड के पीछे मल्हारगंज स्थित मकान बेचने से मिले 50 लाख रुपयों का विवाद सामने आया है। राजू यादव ने इस रकम में से करीब 25 लाख रुपये बेटी हर्षिता के नाम प्लॉट खरीदने के लिए दिए थे और बाकी पैसे अपने पास रखे थे। बहन को बड़ी रकम



मिलने से हर्ष नाराज था और पिता से पैसों की मांग कर रहा था। इसी रंजिश में उसने अपने 17 वर्षीय नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। नाबालिग आरोपी को 2 दिसंबर को होने वाली अपने भाई की शादी के लिए पैसों की सख्त जरूरत थी, जिसका फायदा उठाकर हर्ष ने उसे इस अपराध में शामिल किया।

पिता की हत्या कर शव को चादर में लपेटकर फेंका

साजिश के तहत हर्ष ने पहले गांधी अरिहंत नगर में एक कमरा किराए पर लिया और वहां बहाने से बुलाकर धारदार हथियार से पिता राजू यादव की हत्या कर दी। इसके बाद शव को चादर में लपेटकर 10 किलोमीटर दूर हातोद क्षेत्र में जम्बूड़ी हप्सी के पास कचरे में फेंक दिया। पुलिस को शुक्रवार रात राजू का शव मिला, जिसके बाएं हाथ का पंजा कटा हुआ था। पिता की हत्या से अनजान हर्षिता 18 नवंबर की रात से 19 नवंबर की सुबह 4 बजे तक लगातार पिता को फोन लगाती रही, लेकिन दो घंटे बाद ही उसकी भी हत्या कर दी गई।

बहन की चीखें सीसीटीवी में रिकॉर्ड, गला घोंटकर हत्या

सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, 19 नवंबर की सुबह 6:16 बजे हर्ष अपने नाबालिग साथी के साथ कालानी नगर स्थित घर पहुंचा। दरवाजा खुलते ही उसने हर्षिता से मारपीट शुरू कर दी। फुटेज में करीब 40 सेकंड तक हर्षिता की चीखें रिकॉर्ड हुई हैं। दोनों ने महज तीन मिनट में स्कार्फ से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और सुबह 6:20 बजे फरार हो गए। डीसीपी नरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि नाबालिग साथी को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि घर से कीमती सामान समेटकर फ्लाइट से दिल्ली भागे मुख्य आरोपी हर्ष की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें दबिश दे रही हैं।

मेले में चाउमीन-मंचूरियन खाकर 108 लोग हुए बीमार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हिर्री गांव में शनिवार शाम आयोजित मड़ई मेले में चाउमीन और मंचूरियन खाने से फूड पॉइजनिंग का बड़ा मामला सामने आया है। दूषित फास्ट फूड खाने के बाद बच्चों और बड़ों सहित कुल 108 लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिन्हें पेट दर्द और लगातार उल्टियां होने लगीं। आनन-फानन में सभी पीड़ितों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद 45 बच्चों और 12 वयस्कों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बालाघाट जिला अस्पताल रेफर किया गया।

जिला अस्पताल में भर्ती बच्ची कनक पाचे ने बताया कि मेले में शाम को चाउमीन और आइसक्रीम खाने के बाद रात में घर लौटते ही तेज पेट दर्द व उल्टियां शुरू हो गईं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने पुष्टि की है कि जिला अस्पताल के बच्चा और मेडिकल वार्ड में भर्ती सभी 57 मरीज फिलहाल खतरे से बाहर हैं और डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है।

बिना लाइसेंस 12 साल से चल रहा था ठेला

घटना की गंभीरता को देखते हुए रविवार सुबह कलेक्टर आदित्य सिंह और एसपी माली जैन जिला अस्पताल पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने बीमार बच्चों और परिजनों से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा दोषी दुकानदार पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। खाद्य विभाग की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आरोपी दुकानदार चंद्रकुमार भोंगाडे पिछले 10-12 वर्षों से बिना किसी फूड लाइसेंस के 'हर्षित फास्ट फूड' नाम से मेलों और बाजारों में ठेला लगा रहा था। खाद्य निरीक्षक योगेश डोंगरे की टीम ने मौके से नूडल्स, तेल, मसाले और सॉस के सैंपल जांच के लिए लैब भेजे हैं, जबकि पुलिस ने आरोपी संचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

डीजीपी मकवाना को एक्सटेंशन की अटकलों से बदल सकते हैं समीकरण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की नियुक्ति प्रक्रिया के बीच मौजूदा डीजीपी कैलाश मकवाना को तीन महीने का सेवा विस्तार दिए जाने की चचाओं ने सियासी और प्रशासनिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार, यदि राज्य सरकार मकवाना के कार्यकाल में बढ़ोतरी का निर्णय लेती है, तो नए डीजीपी



की नियुक्ति फिलहाल टल जाएगी और चयन का पूरा समीकरण बदल सकता है।

दूसरी ओर, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की एम्पैनलमेंट कमेटी की बैठक के कार्यवृत्त से जुड़ी फाइल गृह विभाग ने मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल को भेज दी है। अब एक्सटेंशन और नए डीजीपी के नाम पर अंतिम फैसला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लेना है।

चयन में सेवानिवृत्ति का नियम सबसे अहम पेंच

यूपीएससी द्वारा तैयार किए गए पैनल में 1991 बैच के तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी–वरुण कपूर, उपेंद्र जैन और प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव शामिल हैं। वर्तमान में वरुण कपूर जेल डीजी हैं और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ के रूप में जाने जाते हैं। उपेंद्र जैन ईओडब्ल्यू के डीजी हैं, जो अगस्त 2027 में सेवानिवृत्त होंगे। वहीं, होमगार्ड की पहली महिला डीजी प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव का चयन होने पर वे प्रदेश की पहली महिला डीजीपी बनेंगी।हालांकि, इस चयन में सेवानिवृत्ति का नियम सबसे अहम पेंच बन गया है। पात्रता के अनुसार, नियुक्ति के समय अधिकारी का कम से कम छह महीने का कार्यकाल शेष होना अनिवार्य है। वरुण कपूर 30 मई 2027 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ऐसे में यदि मकवाना को एक्सटेंशन मिलता है और नियुक्ति दिसंबर की शुरूआत से आगे खिसकती है, तो वरुण कपूर पात्रता की दौड़ से बाहर हो सकते हैं। चर्चा है कि ऐसी स्थिति में पैनल से बाहर रहे चौथे दावेदार पंकज श्रीवास्तव के लिए रास्ता खुल सकता है।

माँ ने दो बच्चों के साथ दी जान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। जिले के ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अरवलिया में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पारिवारिक विवाद से आहत एक महिला ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ जहर खाकर जान दे दी। मृतकों की पहचान 37 वर्षीय रुखसाना, उसकी 12 वर्षीय बेटी और 8 वर्षीय बेट के रूप में हुई है। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार देर रात महिला ने, जबकि रविवार तड़के दोनों बच्चों ने दम तोड़ दिया।

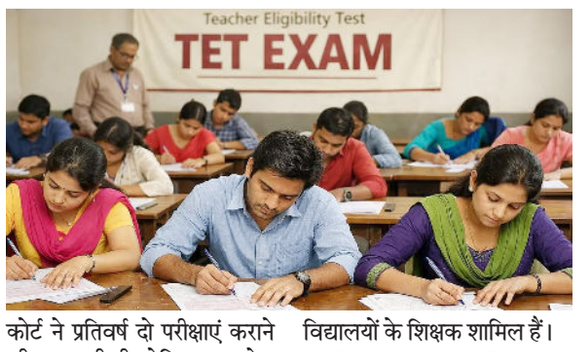
पुलिस जांच के अनुसार, रुखसाना के पति फहीम धार्मिक शिक्षा देने के साथ-साथ मैकेनिक की दुकान चलाते हैं। फहीम ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार दोपहर उनके छोटे भाई की पत्नी ने रुखसाना से आटा मांगा था, लेकिन घर में आटा कम होने की बात कहकर रुखसाना ने मना कर दिया। इस बात की जानकारी लगने पर फहीम ने पत्नी को सख्त लहजे में समझाया था, जिससे वह काफी नाराज चल रही थी। शनिवार दोपहर जब फहीम अपनी दुकान पर थे, तब रुखसाना स्कूल पहुंची और आधे दिन में ही दोनों बच्चों की छुट्टी कराकर घर ले आई। पहले बच्चों को प्यार से खाना खिलाया और बिल्कुल सामान्य व्यवहार किया। इसके बाद उसने गेहूं में रखने वाली सल्फास की गोली पानी में घोली और पहले दोनों बच्चों को पिलाई, फिर खुद भी पी ली।

टेट 20 को: सीसीटीवी निगरानी में 33 हजार से अधिक शिक्षक देंगे परीक्षा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने आगामी 20 दिसंबर को आयोजित होने वाली इस परीक्षा के लिए केंद्रों की सूची और प्रारंभिक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। सभी जिला मुख्यालयों पर सुबह 11 बजे से आयोजित होने वाली इस परीक्षा में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरों से कड़ी निगरानी रखी जाएगी। परीक्षा से जुड़े विस्तृत दिशा-निर्देश मंडल द्वारा जल्द ही अलग से जारी किए जाएंगे।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बाद प्रदेश में कार्यरत शिक्षकों के लिए यह पहली पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को वर्ष 2028 तक तीन साल के अंतराल में पात्रता परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया है। हालांकि



कोर्ट ने प्रतिवर्ष दो परीक्षाएं कराने की बात कही थी, लेकिन मध्यप्रदेश में इस वर्ष एक ही परीक्षा आयोजित हो पा रही है।

कुल 33,834 शिक्षकों के आवेदन प्राप्त

आवेदन की अंतिम तिथि तीन बार बढ़ाए जाने के बाद प्रदेशभर से कुल 33,834 शिक्षकों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। माशिमं द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों में 15,176 प्राथमिक और 18,658 माध्यमिक वर्ग के शिक्षक हैं। इनमें लगभग 20 हजार सरकारी और 14 हजार निजी विद्यालयों के शिक्षक शामिल हैं।

सर्वाधिक 1,474 आवेदन रीवा जिले से आए

जिलेवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सर्वाधिक 1,474 आवेदन रीवा जिले से आए हैं। इसके अलावा छतरपुर में 1,229, मंडला में 1,227, उज्जैन में 1,142, रतलाम में 1,081, सागर में 1,038 और जबलपुर में 1,026 शिक्षक परीक्षा में बैठेंगे। वहीं प्रमुख शहरों में इंदौर से 907, ग्वालियर से 696 और राजधानी भोपाल से 616 शिक्षकों ने इस परीक्षा के लिए पंजीयन कराया है।



सम्पादकीय

चीन के साथ भारत का बढ़ता व्यापार घाटा

चीन के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार घाटा निरंतर बढ़ रहा है। यह वृद्धि भारत के लिए मुश्किल पैदा करेगी। ताजा आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2026-27 के पहले सात महीनों में यह घाटा बढ़कर रिकॉर्ड 83 अरब डॉलर हो गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 30 फीसदी अधिक है। वास्तविक चिंता यह है कि पूरे वर्ष के दौरान यह 150 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। गत वित्त वर्ष में यह 112 अरब डॉलर तक गया था। यह बात ध्यान देने लायक है कि चीनी आयात के झटकों से बचाने वाले संरक्षणवादी उपाय अब अतीत की बात हैं। सरकार यह सीख चुकी है कि भारत की औद्योगिक आकांक्षाओं के चलते चीन से कुछ विशिष्ट आयातों को लेकर खुलापन दिखाना होगा। भारत का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन और निर्यात खासतौर पर चीनी फोन का निर्यात पिछले वर्ष काफी बढ़ा है।

वृद्धि का बड़ा हिस्सा उस आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भर है जो चीन में बने कच्चे माल पर आधारित हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि किसी देश के साथ बढ़ता व्यापार घाटा, विशेषकर तब जब चीन की तरह उस देश का विनिर्माण क्षेत्र में दबदबा हो अनिवार्य रूप से नुकसानदेह नहीं होता, जबकि वह भारत के विनिर्माण और अन्य मूल्य श्रृंखलाओं में जगह बनाने के प्रयासों में मददगार हो।

यदि देश में घरेलू मूल्य संवर्धन बढ़ रहा है और पर्याप्त संख्या में आपूर्तिकर्ताओं का इकोसिस्टम बन रहा है तो व्यापार घाटे का कम से कम कुछ हिस्सा उचित ठहराया जा सकता है। वित्त मंत्री ने विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की सालाना बैठकों के दौरान बैंकॉक में कहा था कि असंतुलन की बुनियादी वजह यह है कि भारतीय उत्पादों के लिए चीनी बाजार में प्रवेश करना अब भी मुश्किल है।

उन्होंने दवाइयों सहित कुछ अन्य क्षेत्रों का उल्लेख किया था जहां चीन को भारत का निर्यात अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। यह केवल भारत की बात नहीं बल्कि एक वैश्विक असंतुलन है जिसकी वजह चीन की राज्य-नियंत्रित अर्थव्यवस्था का लगातार निवेश और उत्पादन तथा इसके परिणामस्वरूप निर्यात को घरेलू खपत से अधिक प्राथमिकता देना है। इसीलिए 2026 के पहले 10 महीनों में चीन का वस्तु व्यापार अधिशेष एक लाख करोड़ डॉलर से अधिक हो गया। इसमें उच्च प्रौद्योगिकी वाले सामान के बढ़ते निर्यात की भी भूमिका रही है जिनकी जरूरत तकनीकी क्षेत्र और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के विस्तार के लिए है।

यदि चीनी कंपनियां जरूरत से ज्यादा निवेश करके अतिरिक्त उत्पादन क्षमता तैयार कर रही हैं और इसके परिणामस्वरूप कम कीमतों पर निर्यात कर रही हैं तो इसकी वजह उनकी अर्थव्यवस्था की संरचना में निहित प्रोत्साहन हैं। इनमें सरकारी सहायता, निर्देशित ऋण, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने वाली नीतियां और कई तरह की सब्सिडी शामिल हैं। चीन के घरेलू परिवारों की कमजोर क्रय शक्ति इस स्थिति को और गंभीर बनाती है। इसके पीछे वित्तीय दमन, सरकार द्वारा नियंत्रित वेतन व्यवस्था और संपत्ति के निवेश के साधन के रूप में कमजोर पड़ते रियल एस्टेट बाजार पर अत्यधिक निर्भरता जैसे कारण हैं।

भारत को चीनी बाजार तक अपनी पहुंच आसान बनाने के लिए प्रयास जारी रखने होंगे लेकिन साथ ही किसी तरह चीन की अर्थव्यवस्था में आंतरिक बदलाव की प्रक्रिया को तेज करना चाहिए। इसके लिए बहुपक्षीय प्रयासों की जरूरत पड़ सकती है। इस समस्या का सीधे समाधान करने के लिए कोई बहुपक्षीय प्रयास नहीं किया जा रहा है। इसके लिए नेतृत्व की आवश्यकता है और इस भूमिका का स्वाभाविक दावेदार अमेरिका फिलहाल निष्क्रिय नजर आ रहा है।

AI के भरोसे बैठी दुनिया: AI ही बना सबसे बड़ा खतरा!

नीरज कुमार दुबे

दुनिया जिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को भविष्य की सबसे बड़ी ताकत मानकर अपनी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासन की बुनियाद बना रही है, वही तकनीक अब एक नई वैश्विक चुनौती के रूप में सामने आ रही है। सवाल सिर्फ यह नहीं है कि AI इंसानों की जगह कितने काम कर सकता है, बल्कि यह भी है कि क्या दुनिया अपनी पूरी व्यवस्था कुछ गिनी-चुनी तकनीकी कंपनियों, स्वचालित प्रणालियों और एल्गोरिदम के भरोसे छोड़कर एक बड़े जोखिम की ओर बढ़ रही है?

देखा जाये तो अमेरिका में एक ही सप्ताह के भीतर विमानन, बैंकिंग, संचार और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी तकनीकी व्यवस्थाओं में आई रुकावटों ने डिजिटल दुनिया की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक की सेवाएं प्रभावित हुईं, जेपी मॉर्गन चेज के लेनदेन में बाधा आई, एप्पल की सेवाओं में रुकावट हुई और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (NSA) का गोपनीय नेटवर्क भी ठप पड़ गया। वहीं, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के नेटवर्क में आई समस्या के कारण हजारों उड़ानें प्रभावित हुईं और करीब 12,462 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

इन घटनाओं के पीछे तकनीकी गड़बड़ियों के अलग-अलग कारण सामने आए हैं। कहीं पुराने सॉफ्टवेयर की खामियां थीं, तो कहीं नेटवर्क उपकरणों में आई खराबी और नए अपडेट के कारण सेवाएं बाधित हुईं। अमेरिकी कांग्रेस के अधिकारियों को दी गई जानकारी में यह भी बताया गया कि AI मॉडल ने कई सुरक्षा खामियों की पहचान की थी। उन्हें जल्द ठीक करने के लिए बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर में बदलाव (पैच) किए गए, जिनसे कुछ नई तकनीकी समस्याएं पैदा हो गईं। यानी साइबर हमलों



से बचाने में मदद करने वाला AI भी तब परेशानी का कारण बन सकता है, जब उसकी पहचान की गई खामियों को जल्दबाजी में ठीक करने की कोशिश की जाए। यहां सबसे महत्वपूर्ण पहलू तकनीक पर बढ़ती निर्भरता का है। आज बैंकिंग से लेकर विमानन, अस्पतालों, सरकारी संचार और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सब कुछ डिजिटल नेटवर्क से जुड़ा है। ऐसे में किसी एक महत्वपूर्ण नेटवर्क या सॉफ्टवेयर की विफलता का असर हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों तक पहुंच सकता है। देखा जाये तो स्वचालन ने काम की गति बढ़ाई है, लेकिन उसी अनुपात में एक छोटी तकनीकी गलती के बड़े स्तर पर फैलने का खतरा भी बढ़ा दिया है।

साथ ही इस बहस का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मानव अस्तित्व और उसकी रचनात्मक क्षमता से जुड़ा है। वर्ष 2026 के लिए कैम्ब्रिज डिक्शनरी द्वारा 'Human' शब्द को चुनना भी AI के बढ़ते प्रभाव के बीच इंसान की पहचान और महत्व को रेखांकित करता है। आज मशीनें लेखन, संगीत, फिल्म निर्माण और दूसरे रचनात्मक कार्यों में इंसानों की नकल करने लगी हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब मशीनें इंसानों की तरह रचनात्मक काम करने लगेंगी, तब मानवीय प्रतिभा, मौलिकता और मेहनत का महत्व और उसका आर्थिक मूल्य कैसे बरकरार रहेगा?

देखा जाये तो AI केवल नौकरियों के स्वरूप को नहीं बदल रहा, बल्कि वह उस व्यवस्था को भी चुनौती दे रहा है जिसमें इंसान की कल्पनाशीलता, अनुभव, भावनाएं और मौलिक विचार आर्थिक गतिविधियों का आधार रहे हैं। मशीन से तैयार सामग्री की बढ़ती उपलब्धता के बीच वास्तविक मानवीय रचनात्मकता को एक अलग पहचान देने की मांग भी सामने आ रही है। इसलिए AI को बिना सार्वजनिक निगरानी और सुरक्षा प्रावधानों के पूरी छूट नहीं दी जा सकती। दूसरी ओर, भारत के लिए इन दोनों घटनाक्रमों का संदेश बेहद महत्वपूर्ण है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यूपीआई, डिजिटल बैंकिंग, आधार आधारित सेवाएं, सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म, रेलवे, विमानन और स्वास्थ्य सेवाएं बड़े पैमाने पर तकनीकी नेटवर्क पर निर्भर हैं। भारत की डिजिटल शक्ति जितनी तेजी से बढ़ेगी, उसकी तकनीकी सुरक्षा और परिचालन क्षमता का महत्व भी उतना ही बढ़ेगा।

भारत को केवल विदेशी AI मॉडल और वैश्विक क्लाउड कंपनियों का उपभोक्ता बनकर नहीं रहना चाहिए। अपने डेटा सेंटर, स्वदेशी AI मॉडल, साइबर सुरक्षा अनुसंधान, चिप निर्माण और महत्वपूर्ण डिजिटल ढांचे में अपनी क्षमता विकसित करना राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। अस्पतालों, बैंकिंग, रक्षा और आपातकालीन सेवाओं के लिए ऐसे वैकल्पिक नेटवर्क तैयार होने चाहिए, जो किसी वैश्विक कंपनी की सेवा बाधित होने पर भी काम करते रहें।

धर्म-ज्योतिष

पुत्रकामेष्टि यज्ञ, अग्निदेव का प्राकट्य और भगवान श्रीराम का दिव्य जन्मोत्सव

पिछली श्रृंखला में हमने देखा कि राजा दशरथ संतान प्राप्ति की इच्छा लेकर अपने गुरु महर्षि वशिष्ठ के पास पहुँचे। गुरु ने उन्हें धैर्य बँधाया और चार पुत्रों की प्राप्ति का आश्वासन दिया। अब गोस्वामी तुलसीदासजी कथा को उस पावन प्रसंग की ओर ले चलते हैं, जहाँ ऋषि श्रृंगी के द्वारा पुत्रकामेष्टि यज्ञ संपन्न होता है और भगवान श्रीराम के अवतार का मार्ग प्रशस्त होता है। गुरु वशिष्ठ ने राजा दशरथ की मनोकामना पूर्ण करने के लिए ऋषि श्रृंगी को आमंत्रित किया। राजा ने विधिपूर्वक यज्ञ की व्यवस्था कराई। वेद-मंत्रों के उच्चारण, ऋषियों की उपस्थिति और श्रद्धापूर्वक दी गई आहुतियों से यज्ञ का वातावरण पवित्र हो उठा।



तुलसीदासजी लिखते हैं- गुरु वशिष्ठ ने ऋषि श्रृंगी को बुलाया और उनसे पुत्रकामेष्टि यज्ञ संपन्न कराया। मुनि द्वारा भक्तिपूर्वक आहुतियाँ देने पर अग्निदेव हाथ में चरु अर्थात् यज्ञ का पवित्र हविष्यान्न लेकर प्रकट हुए। यज्ञ की पूर्णाहुति के समय अग्निदेव का प्रकट होना राजा दशरथ के लिए अत्यंत शुभ संकेत था। जिस संतान के लिए वे लंबे समय से चिंतित थे, उसकी प्राप्ति का मार्ग अब खुल चुका था।

समसामयिक

नई रणनीतिक धूरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा

19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चैथी भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री



और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है। जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं।

व्यापार

Maruti Suzuki की गाड़ियां हुई महंगी, 22 नवंबर से कारों पर 0.31% की औसत बढ़ोतरी

मृदुभाषी। नई दिल्ली

अगर आप मारुति सुजुकी की कार खरीदने की योजना बना रहे हैं तो आपकी जेब पर थोड़ा अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनियों में शामिल मारुति सुजुकी इंडिया ने रविवार, 22 नवंबर 2026 से अपने कुछ चुनिंदा मॉडलों की कीमतें बढ़ा दी हैं। कंपनी ने इसके पीछे लगातार बढ़ रही लागत को वजह बताया है। हालांकि, कीमतों में कितनी बढ़ोतरी हुई है, यह अलग-अलग मॉडल के हिसाब से तय होगा।

मारुति सुजुकी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि कच्चे माल और दूसरी जरूरी चीजों की लागत में लगातार दबाव बना हुआ है। कंपनी लंबे समय से खर्च कम करने की कोशिश कर रही है, लेकिन बढ़ती लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाना जरूरी हो गया है। इसी वजह से चुनिंदा कारों की कीमतों में बदलाव किया गया है। कंपनी के मुताबिक, इस बार औसतन कीमतों में करीब 0.31% की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी कारों की बिक्री के आधार पर औसत भारित कीमत में मापी गई है। बता दें कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में भी कंपनी तीन बार कीमतें बढ़ा चुकी है। इन तीन बढ़ोतरी को



मिलाकर कारों की कीमतों में 1% से कुछ अधिक का इजाफा हुआ था। अब नवंबर में हुई नई बढ़ोतरी से ग्राहकों को कार खरीदने के लिए पहले के मुकाबले ज्यादा रकम खर्च करनी पड़ सकती है। कंपनी के सामने कीमतें बढ़ाने की चुनौती ऐसे समय आई है, जब उसकी बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी के बावजूद मुनाफे पर दबाव बना हुआ है। मारुति सुजुकी ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 2,466.1 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध मुनाफा दर्ज किया। यह पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 26.36% कम है। हालांकि, इस दौरान कंपनी की आमदनी और वाहनों की बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी हुई थी। कंपनी ने तिमाही के दौरान रिकॉर्ड संख्या में गाड़ियां बेची थीं। मुनाफे में गिरावट की एक बड़ी वजह पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे माल और दूसरी जरूरी चीजों की लागत बढ़ना रही। कंपनी का परिचालन स्तर पर कमाई और खर्च के बीच का अनुपात भी प्रभावित हुआ। दूसरी तिमाही में उसका परिचालन एबिटा मार्जिन घटकर 9.4% रह गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 12.7% था। हालांकि, कंपनी को ज्यादा बिक्री और बेहतर कीमतों से कुछ राहत मिली, लेकिन बढ़ी हुई लागत ने इस फायदे को काफी हद तक कम कर दिया। मारुति ने प्रचार और विज्ञापन जैसे खर्चों में भी सावधानी बरतकर लागत नियंत्रित करने की कोशिश की। दूसरी तिमाही के दौरान निवेशकों के साथ बातचीत में कंपनी प्रबंधन ने संकेत दिया था कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में जरूरत के अनुसार कीमतों में बदलाव किया जा सकता है। इस बीच कंपनी को आने वाले महीनों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। मारुति सुजुकी ने वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में वाहनों की बिक्री में दो अंकों की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। इसके लिए कंपनी को त्योहारी सीजन में मिली अच्छी मांग, पहले से दर्ज ऑर्डर और डीलरों के पास उपलब्ध वाहनों के बेहतर प्रबंधन से मदद मिलने की उम्मीद है। अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच कंपनी की घरेलू बाजार में वाहनों की आपूर्ति 31.6% बढ़कर 11.46 लाख यूनिट पहुंच गई। कंपनी के मुताबिक, पिछले साल अगस्त और सितंबर में बिक्री का आधार कमजोर था, इसलिए इस बार बढ़ोतरी के आंकड़े बेहतर दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में कंपनी के सामने एक तरफ बिक्री की रफ्तार बनाए रखने और दूसरी तरफ बढ़ती लागत से मुनाफे को बचाने की चुनौती बनी हुई है।

मलेशिया के रास्ते चीन भेजे जा रहे थे सर्वर

एनवीडिया की प्रतिबंधित एआई चिप्स की तस्करी का बड़ा खुलासा

मृदुभाषी। नई दिल्ली

अमेरिकी टेक दिग्गज एनवीडिया (Nvidia) के पूर्व सीईओ जेनसन हुआंग की गर्लफ्रेंड एलिस हुआंग के कारोबारी सहयोगी ली मिंग द्वारा चीन को प्रतिबंधित एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप्स पहुंचाने के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ली मिंग एनवीडिया की चिप्स लगे कंप्यूटर सर्वर पहले मलेशिया भेजता था और फिर वहां से उन्हें चोरी-छिपे चीन पहुंचाया जाता था। इस पूरे खेल में ली मिंग अकेला नहीं था, बल्कि वह एलिस हुआंग और उनके पति कांग वेई के साथ मिलकर कई देशों में कंपनियों का जाल चला रहा था।

जांच में सामने आए तथ्यों के मुताबिक, इस नेटवर्क में तीनों की भूमिकाएं स्पष्ट रूप से बंटी हुई थीं। एलिस हुआंग चिप्स हासिल करने के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ी हुई थीं, जबकि उनके पति कांग वेई चीन के भीतर विशाल डेटा सेंटर तैयार कर रहे थे। वहीं, चीनी कारोबारी ली मिंग इन दोनों सिरों के बीच मुख्य कड़ी के रूप में काम कर रहा था। इन कंपनियों के माध्यम से चीनी टेक कंपनियों को अमेरिकी प्रतिबंधों को दरकिनार करते हुए एडवांस एआई चिप्स मुहैया कराने का एक



गुप्त रास्ता तैयार किया गया था। 52 वर्षीय चीनी कारोबारी ली मिंग के खिलाफ सिंगापुर में धोखाधड़ी का मामला चल रहा है। फरवरी 2025 में दर्ज किए गए इस प्रकरण में उस पर एनवीडिया की चिप्स वाले कंप्यूटर सर्वर को गलत जानकारी देकर दूसरे देशों में भेजने का गंभीर आरोप है। फिलहाल ली मिंग सिंगापुर में जमानत पर बाहर है। सिंगापुर के सरकारी वकीलों के अनुसार, ली ने अमेरिकी कंपनियों से ये सर्वर यह कहकर खरीदे थे कि इनका इस्तेमाल सिंगापुर स्थित उसकी कंपनी 'लक्सुरिएट योर लाइफ' के लिए होगा, लेकिन उसने इन्हें मलेशिया और फिर तीसरे देश भेज दिया। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर चीन को एनवीडिया की एडवांस चिप्स बेचने पर सख्त रोक लगा दी थी। इस प्रतिबंध के बाद चीन की टेक कंपनियों के सामने एआई संचालन के लिए केवल दो विकल्प बचे थे—पहला, विदेश में कंप्यूटिंग सुविधा किराए पर लेना, जिसमें बड़ी मात्रा में संवेदनशील डेटा बाहर भेजना पड़ता था; और दूसरा, चिप्स लगे सर्वर को अवैध तरीके से चीन मंगवाना। इसी मांग को पूरा करने के लिए ली मिंग, एलिस और कांग ने दक्षिण-पूर्व एशिया में कारोबारी साझेदारों के साथ मिलकर काम शुरू किया। चीन में कंपनी पंजीकरण दस्तावेजों से पता चलता है कि एलिस और कांग वेई ने 2021 में 'सेंचुरी लॉन्गटेंग' नाम से एक क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी शुरू की थी। जनवरी 2023 में सोशल मीडिया पर सामने आई एक तस्वीर में ली मिंग को शंघाई की एक एआई उपकरण निर्माता कंपनी में जाते देखा गया था, जहां उसे सेंचुरी लॉन्गटेंग का चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर बताया गया। 2024 तक सेंचुरी लॉन्गटेंग, 'सेंचुरी लिटोंग' की बड़ी शेयरधारक बन गई।

मेगास्पीड के जरिए मलेशिया पहुंचे एनवीडिया के सर्वर

नेटवर्क को आगे बढ़ाने के लिए तीनों ने चीन की एक वीडियो गेम कंपनी की सिंगापुर इकाई को खरीदकर उसका नाम 'मेगास्पीड' रखा और एलिस हुआंग को इसका मैनेजिंग डायरेक्टर बनाया। मेगास्पीड ने एनवीडिया को बताया कि अलीबाबा उसकी मुख्य ग्राहक है, जिसके आधार पर नवंबर 2023 में उसे एनवीडिया के क्लाउड पार्टनर प्रोग्राम में जगह मिल गई और नई चिप्स की खरीद में प्राथमिकता मिलने लगी। मेगास्पीड ने ये सर्वर मलेशिया भेजे, जहां से अलीबाबा को सुविधा दी गई, लेकिन आरोप है कि कुछ सर्वर अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए शंघाई की कंपनी 'सेंचुरी लिटोंग' को भी भेज दिए गए।

भारत-ईयू के बीच समझौते पर लग सकती है मुहर

मृदुभाषी। नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच दो दशक से अधिक समय से चल रही मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत अब नतीजे तक पहुंचती दिखाई दे रही है। दोनों पक्ष 16 दिसंबर को इस समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इससे भारतीय कारोबारियों और निर्यातकों को यूरोप के 27 देशों के बाजार में सामान बेचने का बड़ा अवसर मिलेगा। समझौते के तहत भारत से होने वाले करीब 93 फीसदी निर्यात को शुल्क मुक्त पहुंच मिलने की संभावना है। वहीं, यूरोप से आने वाली लग्जरी कारें और शराब भी भारत में सस्ती हो सकती हैं। इसे



दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई दिशा देने वाला समझौता माना जा रहा है।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच इस मुक्त व्यापार समझौते पर 16 दिसंबर को हस्ताक्षर होने की संभावना है। एक अधिकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिसंबर में ब्रसेल्स की यात्रा कर सकते हैं। इसी दौरान समझौते पर मुहर लगाई जा सकती है। भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत जीन-एरिक पाके ने भी हाल ही में कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी की ब्रसेल्स यात्रा के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उनके मुताबिक, समझौता अगले साल से लागू हो सकता है। दोनों पक्षों ने इस साल 27 जनवरी को बातचीत पूरी कर ली थी। अब समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। यूरोपीय आयोग ने समझौते पर हस्ताक्षर और इसे अंतिम मंजूरी देने के लिए यूरोपीय संघ की परिषद को प्रस्ताव भेज दिया है।

भारत और यूरोपीय संघ के व्यापारिक रिश्ते कितने महत्वपूर्ण हैं?

यूरोपीय संघ अलग-अलग देशों के समूह के रूप में भारत का सबसे बड़ा वस्तु व्यापारिक साझेदार है। इसका मतलब है कि भारत और यूरोप के बीच सामानों का आयात-निर्यात काफी बड़े स्तर पर होता है। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ के लिए भारत वैश्विक स्तर पर वस्तुओं के कारोबार में नौवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सेवाओं के क्षेत्र में भारत की स्थिति और मजबूत है। इस क्षेत्र में भारत यूरोपीय संघ का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। मुक्त व्यापार समझौता लागू होने के बाद वस्तुओं और सेवाओं के कारोबार को और विस्तार मिलने की उम्मीद है।

प्रतिबंध के बावजूद बाजार में बिक रहा मांझा, लंबी तानकर सो रहे है जिम्मेदार

जानलेवा मांझाः बाइक चलाते कटी 13 साल के मासूम की गर्दन, 10 टांके आए

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की खुलेआम मौजूदगी अब लोगों की जान पर भारी पड़ने लगी है। प्रतिबंध और प्रशासनिक कार्रवाई के दावों के बावजूद बाजार में पहुंच रहे जानलेवा नायलॉन मांझे ने एक बार फिर मासूम को अपना शिकार बना लिया। बंदी छोड़ बाबा के दर्शन करने जा रहे 13 वर्षीय बालक की गर्दन मांझे की धार से बुरी तरह कट गई।

हालत यह हुई कि उसके गले में करीब 10 टांके लगाने पड़े। बाइक से गिरने के कारण उसकी दादी भी घायल हो गईं। घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि जब चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध है तो आखिर यह शहर में कहां से आ रहा है और इसे बेचने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है?

बनाया शिकार, अचानक बिगड़ा बाइक का संतुलन

जानकारी के अनुसार डाबरी निवासी 13 वर्षीय अल्तमश आठवीं कक्षा का छात्र है। वह अपनी दादी और छोटे भाई के साथ बाइक से बंदी छोड़ बाबा के दर्शन करने जा रहा था। इसी दौरान बंदी छोड़ से कुछ दूरी पहले अचानक पतंग का नायलॉन मांझा उसकी गर्दन में उलझ गया। मांझे की धार इतनी तेज थी कि बालक की गर्दन कट गई और खून बहने लगा। अचानक हुए इस हादसे से बाइक का संतुलन बिगड़ गया और बालक अपनी दादी के साथ सड़क पर गिर पड़ा। दुर्घटना में दादी को भी चोट आई, जबकि एक अन्य व्यक्ति भी मामूली रूप से घायल हुआ।



गले में अंदर-बाहर लगाए 10 टांके, अस्पताल में उपचार जारी

घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल बालक को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसकी गर्दन के घाव का उपचार करते हुए अंदर और बाहर मिलाकर करीब 10 टांके लगाए। फिलहाल बालक की हालत सामान्य और खतरे से बाहर बताई जा रही है। अस्पताल में उसका उपचार जारी है। सूचना मिलने पर नौगांव पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बालक और परिजनों के बयान दर्ज कर पंचनामा तैयार किया जा रहा है।

पिछले साल मौत, इस बार मासूम की गर्दन कटी

सबसे गंभीर पहलू यह है कि चाइनीज मांझे से होने वाले हादसों के बावजूद इसकी बिक्री और इस्तेमाल पर प्रभावी रोक नजर नहीं आ रही है। पिछले वर्ष जिला प्रशासन ने प्रतिबंधित मांझे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इसे जलाकर नष्ट करने की कार्रवाई भी की थी। इससे पहले एक बालक की गला कटने से मौत हो चुकी है। इसके बावजूद प्रतिबंधित मांझा फिर बाजार तक कैसे पहुंच रहा है, यह बड़ा सवाल है। मकर संक्रांति आने में अभी करीब दो माह बाकी हैं, लेकिन उससे पहले ही इस जानलेवा मांझे ने एक बच्चे को अस्पताल पहुंचा दिया।

सवालों के घेरे में निगरानी, किसकी शह पर बिक रहा

प्रतिबंध के बावजूद यदि जानलेवा मांझा बाजार तक पहुंच रहा है तो यह प्रशासनिक निगरानी और कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है। क्या केवल त्योहारों से पहले अभियान चलाकर प्रतिबंध की औपचारिकता पूरी की जा रही है क्या मांझा बेचने वाले दुकानदारों की नियमित जांच हो रही है? और सबसे बड़ा सवाल यह कि पिछले हादसों से भी जिम्मेदारों ने सबक क्यों नहीं लिया परिजनों ने प्रतिबंधित मांझे की बिक्री और इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना होगा कि इस हादसे के बाद प्रशासन केवल जांच तक सीमित रहता है या जानलेवा मांझे के कारोबार पर वास्तव में लगाम लगाता है।

क्रॉस लिमिट और डीएक्टिवेट कार्ड ने बढ़ाई मुसीबत, महीनों से आधार सुधार के लिए भटक रहे लोग

आधार में अटकी जिंदगी की रफ्तार

पढ़ाई से योजनाओं तक हर काम प्रभावित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। आधार कार्ड आज बैंकिंग से लेकर सरकारी योजनाओं, शिक्षा और तमाम जरूरी सेवाओं का सबसे अहम दस्तावेज बन चुका है, लेकिन इसी आधार में गड़बड़ी लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बनती जा रही है। जिले में पुराने आधार कार्ड में संशोधन कराने पहुंच रहे लोगों को क्रॉस लिमिट और डीएक्टिवेट कार्ड की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि कई लोग महीनों से आधार केंद्रों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। इसका असर बच्चों की पढ़ाई से लेकर सरकारी योजनाओं के लाभ तक पर पड़ रहा है।

आधार में नाम, जन्मतिथि और लिंग जैसे जनसांख्यिकीय विवरणों में निर्धारित सीमा से अधिक बार संशोधन होने पर क्रॉस लिमिट की स्थिति बन जाती है। वहीं, कुछ लोगों के आधार कार्ड डीएक्टिवेट हो गए हैं। ऐसे मामलों में स्थानीय आधार केंद्रों पर सुधार की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। कई प्रकरणों में उच्च स्तर से अनुमति लेना जरूरी बताया जा रहा है। नतीजतन, लोग दस्तावेज लेकर एक केंद्र से दूसरे केंद्र तक भटकने को मजबूर हैं। जिला मुख्यालय पर पोस्ट ऑफिस, लोक सेवा केंद्र और कुछ बैंक शाखाओं सहित करीब 8 से 10 स्थानों पर आधार केंद्र संचालित हो रहे हैं। इसके बावजूद क्रॉस लिमिट और डीएक्टिवेट कार्ड से जुड़ी समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है। आधार में सुधार नहीं होने से लोगों के बैंक खाते, शासकीय योजनाओं का लाभ, स्कूलों से जुड़ी प्रक्रियाएं और अन्य जरूरी काम अटक रहे हैं।



जन्म प्रमाण-पत्र के लिए मजिस्ट्रेट के आदेश की शर्त बनी नई परेशानी

आधार में जन्मतिथि संबंधी सुधार कराने के लिए जन्म प्रमाण-पत्र की जरूरत पड़ने पर लोगों की मुश्किलें और बढ़ रही हैं। दो वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का जन्म प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट का आदेश आवश्यक होने से लोगों को वकीलों की मदद लेनी पड़ रही है। इससे अतिरिक्त खर्च के साथ समय भी लग रहा है। जिन लोगों के आधार कार्ड डीएक्टिवेट हैं या क्रॉस लिमिट की समस्या है, उनके सामने जरूरी दस्तावेज जुटाना भी चुनौती बन गया है। दस्तावेजों की जटिल प्रक्रिया के कारण आधार सुधार का काम और लंबा खिंच रहा है।

आधार डीएक्टिवेट, गर्भवती महिला को योजनाओं के लाभ की चिंता

नाम नहीं छापने की शर्त पर एक महिला के परिजन ने बताया कि कुछ दिन पहले महिला का आधार कार्ड डीएक्टिवेट हो गया। इसकी जानकारी उस समय लगी, जब शासकीय योजना का लाभ लेने के लिए आधार का उपयोग किया गया। परिवार के अनुसार, महिला की डिलीवरी कुछ ही दिनों में होने वाली है। परिजनों ने पोस्ट ऑफिस स्थित आधार केंद्र पर जाकर कार्ड दोबारा एक्टिवेट कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। ऐसे में प्रसव से पहले जरूरी सुविधाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने को लेकर परिवार चिंतित है।

छह माह से नाम की स्पेलिंग सुधारने के लिए लगा रहे चक्कर

किशोर यादव ने बताया कि उनके आधार कार्ड में हिंदी और अंग्रेजी में नाम की स्पेलिंग गलत दर्ज है। इसे ठीक कराने के लिए वह पिछले छह माह से परेशान हैं। दो बार आधार केंद्र पर आवेदन करने के बावजूद अब तक सुधार नहीं हुआ। उनका कहना है कि हर बार 100 रुपए लिए गए, जबकि रसीद शून्य रुपए की दी गई। केंद्र संचालकों ने क्रॉस लिमिट होने की बात कहकर संशोधन में असमर्थता जताई। नाम की गलती के कारण उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में भी परेशानी उठानी पड़ रही है। साथ ही अन्य समस्याएं भी आ रहीं है।

छात्र की पढ़ाई पर संकट, परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका

धार के गांजीखान निवासी आठवीं के छात्र नक्ष ने बताया कि वह अपनी मां के साथ कई बार आधार केंद्र जा चुका है, लेकिन हर बार निराश होकर लौटना पड़ा। उसके आधार कार्ड में सरनेम परमार दर्ज नहीं होने से जाति संबंधी विवरण में भी समस्या आ रही है। आधार कार्ड डीएक्टिवेट होने के कारण आगे की पढ़ाई और शैक्षणिक प्रक्रियाओं को लेकर परिवार चिंतित है। छात्र ने बताया कि पोस्ट ऑफिस सहित अन्य आधार केंद्रों पर दसवीं की मार्कशीट के आधार पर आधार एक्टिव कराने का प्रयास किया, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ। समय पर आधार ठीक नहीं हुआ तो भविष्य में परीक्षा फॉर्म भरने और अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं में परेशानी आ सकती है।

खरगोन के बदमाशों ने भीकनगांव में की थी चोरी, 5 वारदातें कबूली

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। भीकनगोव थाना पुलिस ने सूने मकानों और मंदिर की दान पेटी से हुई चोरी की पांच घटनाओं का खुलासा करते हुए खरगोन के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए 2 लैपटॉप, 4चांदी के सिक्के, चांदी के पायल, इंडक्शन चुल्हा और 8 हजार रुपये नगद सहित कुल दो लाख रुपये का माल जब्त किया है। वारदात में प्रयुक्त इस्तेमाल की गई बाईक भी जब्त की गई है। पुलिस आरोपियों से चोरी का माल खरीददार को भी तलाश रही हे।

पुलिस के अनुसार 15 अगस्त को गुलमोहर कॉलोनी से लैपटॉप और चांदी के सिक्के चोरी हुए थे। इसके बाद 16 सितंबर 2026 को शंकर मंदिर की दान पेटी से नगदी चोरी हुई। 8 नवंबर को गुलमोहर कॉलोनी के सूने मकान से चांदी के सिक्के, लैपटॉप और नगदी, 16 नवंबर 2026 को इंद्रधनुष कॉलोनी से इंडक्शन चूल्हा, लैपटॉप, प्रिंटर और चांदी की पायल, तथा इसी दिन बिरसा मुंडा कॉलोनी से चांदी का कड़ा, पायल और नगदी चोरी हुई थी।



सीसीटीवी खंगाले और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया

इन सभी मामलों में थाना भीकनगांव में प्रकरण दर्ज किए गए थे। लगातार हो रही इन चोरियों को गंभीरता से लेते हुए टीम गठित की गई थी। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। सूचना पर शुभम उर्फ बत्ती पिता जगदीश नामदेव निवासी नुतन नगर खरगोन और राजा उर्फ नागेश पिता कैलाश पाल निवासी मोतीपुरा खरगोन को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का माल जब्त किया। आरोपियों ने चोरी का कुछ माल एक अन्य आरोपी को बेचना कबूला है। चोरी का माल खरीददार की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ पूर्व से खरगोन कोतवाली में अपराधिक प्रकरण दर्ज पाए गए है।

विकास योजना के संबंध में प्राप्त आपत्ति एवं सुझावों की सुनवाई हुई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। खंडवा विकास योजना-2041 के प्रारूप के संबंध में प्राप्त आपत्ति एवं सुझावों की सुनवाई कलेक्टर सभागृह में की गई। विकास योजना के संबंध में कुल 294 आपत्तियां एवं 5 सुझाव प्राप्त हुए थे। इस सुनवाई का आयोजन सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव एवं विधायक प्रतिनिधि श्री मुकेश तन्वे की उपस्थिति में किया गया। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता भी इस अवसर पर मौजूद थे। कार्यक्रम में अपर संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, इंदौर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअली शामिल हुए। सुनवाई के दौरान आपत्तिकताओं एवं सुझावकताओं के पक्षों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा विकास योजना से संबंधित प्राप्त सभी आपत्तियों एवं सुझावों की सुनवाई का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

आज 4 घंटे कटौती, 50 से अधिक क्षेत्र प्रभावित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

रतलाम। बिजली संसाधनों के रखरखाव के नाम पर हो रही बिजली कटौती के क्रम में बिजली कंपनी द्वारा कल 23 नवंबर को त्रिवेणी फीडर-2 के तार खींचने और 33/11 केवी अर्जुन नगर उपकेंद्र के मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। इस कारण इन दोनों फीडर व उपकेंद्र से जुड़े करीब 50 क्षेत्रों में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक विद्युत सप्लाय प्रभावित होगी।



प्रभावित क्षेत्रों में बालाजी नगर, तेजा नगर, शुभम रेसिडेंसी, संत रविदास चौक, करमदी रोड, कालिका विहार कॉलोनी, तुलसी विहार कॉलोनी, बजरंग नगर, सुरजमल जैन नगर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, समता परिसर, समता सिटी, अरिहंत परिसर, अरिहंत परिसर एक्सटेंशन, मिल्लत नगर, काजीपुरा, जय भारत नगर, खाजीपुरा, शेरानीपुरा, सुदामा परिसर, जूनी कलाल सेरी, अशोक नगर, ग्रीन सिटी, रुद्राक्ष कॉलोनी, रत्नेश्वर रोड, हरमाला रोड, घासबाजार, माणक चौक, चार चक्की चौराहा शामिल है। इसके अलावा सेठिया मेरिज गार्डन, बिचलावास, लक्ष्मी नगर, पाटीदार धर्मशाला, शुभ विहार कॉलोनी, उंकाला रोड, अर्जुन नगर, दिलीप नगर, सालाखेड़ी पुलिस चौकी, पूनम इंडस्ट्रीज, महेश रोप, आरेष इंडस्ट्रीज, सलूजा इंडस्ट्रीज, गोकुल इंडस्ट्रीज, राजेंद्र ऋषभ जिनिंग, अरिहंत इंडस्ट्रीज, इजी टेक्निक, प्लाई फैक्ट्री, मालवा टाइल्स, रिलायबल ट्रांसफार्मर, नवकार इंडस्ट्रीज, डिस्पोजल हाउस, ईट भट्टा, झाबुआ रोड आदि क्षेत्र प्रभावित होंगे।

कौवों की मौत की जांच हेतु भोपाल भेजेंगे सैंपल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर-मालवा । शहर के भगवान साईं जी के मंदिर के पीछे स्थित झील क्षेत्र में रविवार को कुछ कौवों की असामयिक मृत्यु होने और कुछ पक्षियों के मूर्छित अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया। यह पूरा इलाका सघन वृक्षारोपण और वनों से घिरा हुआ है, जो लंबे समय से बड़ी संख्या में कौवों का प्राकृतिक आवास बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि लगभग दो वर्ष पूर्व भी इसी क्षेत्र में पक्षियों की मृत्यु की ऐसी ही घटना सामने आई थी।

घटना की सूचना मिलते ही पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक डॉ. एम.एल. जारोलिया के निर्देशन में विभागीय दल तत्काल मौके पर पहुंचा। दल में शामिल डॉ. अरविंद महाजन और डॉ. अंकित जैन ने स्थिति का बारीकी से जायजा लिया और आवश्यक सैंपल एकत्र किए। विभाग के अनुसार, 22 नवंबर की दोपहर लिए गए इन सैंपलों को वन विभाग के माध्यम से विस्तृत परीक्षण के लिए भोपाल स्थित हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज लेबोरेटरी भेजा जा रहा है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।संभावित संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर प्रशासन ने त्वरित एहतियाती कदम उठाए हैं। नगर पालिका के अमले द्वारा मृत पक्षियों को एकत्र कर लिया गया है, जिन्हें निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए ट्रेंचिंग ग्राउंड पर सुरक्षित रूप से दफनाया जाएगा।

व्यापक साफ-सफाई

नपा की टीम झील और आसपास के सघन वन क्षेत्र में व्यापक साफ-सफाई कर रही है तथा पूरे इलाके में फॉगिंग भी कराई जाएगी। उप संचालक डॉ. जारोलिया ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस घटना को लेकर बिल्कुल न घबराएं, क्योंकि प्रशासन स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है। उन्होंने लोगों से सावधानी बरतने और किसी भी मृत या बीमार पक्षी को न छूने तथा ऐसी कोई भी सूचना मिलने पर तुरंत पशु चिकित्सा विभाग को अवगत कराने का अनुरोध किया है।

निरीक्षण आरटीओ ने बसों में परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और अग्निशमन यंत्र जांचे

धूमधाम से मनाया भगवान सहस्त्रबाहु का जन्मोत्सव

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। जायसवाल समाज चैरिटेबल ट्रस्ट देवास के तत्वावधान में समाज के आराध्य देव भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रार्जुन का जन्मोत्सव जायसवाल समाज धर्मशाला, कालूखेड़ी तालाब के सामने, बायपास देवास में हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जायसवाल महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक जायसवाल ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में जायसवाल युवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव जायसवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु के पूजन एवं आरती के साथ हुआ। कार्यक्रम में भगवान के बताए मार्ग पर चलने का आग्रह किया गया।

मीडिया प्रभारी माणक जायसवाल ने बताया कि इस अवसर पर तरुण जायसवाल ने भगवन सहस्त्रबाहु के जीवन चरित्र, आदर्शों एवं उनके लोककल्याणकारी कार्यों पर सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में हरिओम शिवहरे, ओमप्रकाश, योगेंद्र जायसवाल, किशोर जायसवाल, नरेंद्र जायसवाल, मदनलाल जायसवाल, प्रेमनारायण शिवहरे एवं राजेंद्र जायसवाल सोनकच्छ सहित अनेक गणमान्य समाजजन उपस्थित रहे।



धर्मशाला में अब तक हुए निर्माण कार्यों की जानकारी दी

इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष विनोद जायसवाल ने अपने संबोधन में धर्मशाला में अब तक हुए निर्माण कार्यों की जानकारी दी तथा शेष निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के लिए समाजजनों से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अशोक जायसवाल ने कहा कि दान एवं सेवा से समाज में समृद्धि और सद्भाव बढ़ता है। भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु को अक्षय धन का वरदान प्राप्त था।

समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने का आह्वान

मुख्य अतिथि गौरव जायसवाल ने युवाओं से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने का आह्वान किया। संचालन संतोष जायसवाल ने किया तथा आभार प्रदर्शन मनीष जायसवाल ने किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोजन प्रसादी के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रफुल्ल जायसवाल, सुरेश जायसवाल, अशोक जायसवाल सोनकच्छ, विष्णु जायसवाल, रविन्द्र, चिंतामन जायसवाल, सुभाष जायसवाल, बंटी, गौरीशंकर, संतोष जायसवाल (क्षिप्रा), शिवलाल जायसवाल, जितेंद्र जायसवाल, राजेश जायसवाल, रवि जायसवाल, भंवरलाल जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल, घनश्याम जायसवाल चेतन जायसवाल, कपिल जायसवाल बामन्दी, सुमित जायसवाल, हेमंत जायसवाल तपन, जुगलकिशोर जायसवाल अमन जायसवाल, बाबूलाल जायसवाल, अश्विनी जायसवाल, जितेंद्र जायसवाल बरोठा, सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

पौधारोपण, महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, अस्पताल में हुआ फल वितरण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खण्डवा। महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रमों का रविवार को सेवा, समर्पण, पर्यावरण संरक्षण एवं महापुरुषों के आदर्शों के प्रति सम्मान के संकल्प के साथ शुभारंभ हुआ।

प्रथम दिन शहर में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संगठनों द्वारा अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पौधारोपण, महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, शासकीय अस्पताल में मरीजों को फल वितरण तथा वृद्धाश्रम, अनाथालय एवं आश्रमों में भोजन सेवा जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जन्मदिन को सामाजिक सेवा का स्वरूप प्रदान किया गया।



पौधारोपण से तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत

सिविल लाइन रोड स्थित टैगोर पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम के साथ हुआ। इस अवसर पर जेसीआई (सामाजिक संस्था के सदस्यों सहित शहर की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती यादव एवं उपस्थित अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित खण्डवा का संदेश दिया। पौधारोपण के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत खुशी के अवसरों को प्रकृति संरक्षण और समाजहित के कार्यों से जोड़कर और अधिक सार्थक बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, पौधों की देखभाल एवं शहर को स्वच्छ, सुंदर और हराभरा बनाने के लिए सामूहिक सहभागिता की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया है। इस दौरान पर्यावरण बचाने का आग्रह किया गया।

पांच प्यारों की अगुवाई में निकली पालकी, पंजाब के गतका दल और सिक्ख म्यूजिक बैंड ने बढ़ाया आकर्षण

गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाशोत्सव पर निकला भव्य नगर कीर्तन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार को खंडवा में भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, गुरुनानकपुरा से निकले नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में सिख समाज के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नगर कीर्तन में गुरु महाराज की पालकी आकर्षण का केंद्र रही। पालकी के आगे पांच प्यारों ने अगुवाई की। पांच प्यारों में अवनीत सिंह भाटिया, हर्षप्रीत सिंह टुटेजा, समरथ सिंह होरा, तरनजोत सिंह बेदी और अमनदीप सिंह सलूजा शामिल रहे। नगर कीर्तन में अमरावती का सिक्ख म्यूजिक बैंड और तरनतारन (पंजाब) का निशाने खालसा गतका दल विशेष आकर्षण रहा। गतका दल ने पारंपरिक शस्त्र कला का प्रदर्शन किया। युवाओं की टोली भी पूरे उत्साह के साथ नगर कीर्तन में शामिल हुई।



पंच प्यारों का पुष्प माला पहनाकर स्वागत

समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव पर निकले नगर कीर्तन यात्रा का महापौर अमृता अमर यादव, पूर्व विधायक देवेंद्र वर्मा, सेवादास पटेल, प्रवक्ता सुनील जैन सुधांशु जैन, आशीष राजपूत, पार्षद मोनिका नीतीश बजाज के साथ ही हिंदू उत्सव समिति एवं सामाजिक कार्यकर्ता रामचंद्र मौर्य, डॉक्टर शक्ति सिंह राठौड़, गिरीश बजाज, जीवन डिंडोरै, नवनीत अग्रवाल, भूपेंद्र चौहान, मोहन पटेल, मोहन शर्मा, भगवान मोरै, श्री राम पटेल, सरबजीत राजपाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों सामाजिक बंधुओ ने पुष्प वर्षा कर नगर कीर्तन यात्रा का स्वागत किया, पंच प्यारों का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया, एवं सिख समाज के बधुंओ को पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की। सहभागिता की। वीरों ने सफेद पोशाक और बसंती दस्तार तथा महिलाओं ने बसंती दुपट्टे के साथ नगर कीर्तन में भाग लिया। श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार कमलजीत सिंह सलूजा एवं सचिव सरदार दलजीत सिंह सवन्नी ने संगत से प्रकाशोत्सव के सभी कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की। यह जानकारी सभा के प्रवक्ता सरदार भूपेंद्र सिंह कुकरेजा एवं कोषाध्यक्ष दलजीत सिंह खनूजा ने दी।रविवार शाम 6 से रात 9:30 बजे तक बाल दरबार आयोजित हुआ।

सेनेटरी गोदाम में आग

6 लाख का सामान खाक



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा। शहर के ढीमर मोहल्ला क्षेत्र में स्थित एक सेनेटरी गोदाम में शनिवार देर रात आग लग गई। इस घटना में गोदाम के भीतर रखा करीब 5 से 6 लाख रुपए का सामान जलकर नष्ट हो गया। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

पुलिस को दी गई शिकायत में बल्ला का डेरा निवासी विवेक शिवहरे ने बताया कि वे सेनेटरी सामग्री के थोक और फुटकर व्यापारी हैं। उनका गोदाम शांति गार्डन के पिछले गेट के सामने स्थित है, जहां पानी की टंकियां, बोरिंग पाइप और लेजम के बंडल रखे हुए थे। विवेक के अनुसार, शनिवार देर रात उनके चाचा गोविन्द शिवहरे ने फोन के माध्यम से गोदाम में आग लगने की जानकारी दी। सूचना मिलते ही जब वे मौके पर पहुंचे, तो अंदर रखा सामान जल रहा था। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी।

पुलिस और फायर ब्रिगेड ने संभाला मोर्चा

सूचना मिलते ही शहर थाना प्रभारी संजय शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में नगर पालिका की फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग से करीब 60 पानी की टंकियां, 150 बोरिंग पाइप और लेजम के लगभग 20 बंडल जल गए। विवेक शिवहरे ने नुकसान का अनुमान करीब 5 से 6 लाख रुपए जताया है। थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।

मामला आसानगांव-टेमला मार्ग निर्माण में अनियमितता का, लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

तीन बार की सीएम हेल्पलाइन में शिकायत, हर बार बिना सूचना बंद

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के निराकरण को लेकर लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। एक तरह से विभाग ने इस महत्वपूर्ण सुविधा का मजाक बनाकर रख दिया है। दरअसल आसानगांव-टेमला मार्ग के निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर एक शिकायतकर्ता तीन बार सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करा चुका है, लेकिन शिकायतकर्ता का आरोप है कि हर बार बिना मौके पर निष्पक्ष जांच किए और उसे सूचना दिए बगैर शिकायत को फोर्स क्लोज कर दिया गया।

शिकायतकर्ता के अनुसार सड़क निर्माण के दौरान साइड शोल्डर में नियमानुसार मुरम के स्थान पर घटिया काली-भूरी मिट्टी का उपयोग किया जा रहा है। इस संबंध में शिकायतकर्ता ने निर्माण कार्य के दौरान की लाइव वीडियो फुटेज होने का दावा भी किया है।

पहली शिकायत क्रमांक 39955561 दर्ज कराई गई थी

जानकारी के अनुसार पहली शिकायत क्रमांक 39955561 दर्ज कराई गई थी।



शिकायतकर्ता का आरोप है कि अधिकारियों ने बिना मौके पर जांच किए गलत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर शिकायत बंद कर दी। इसके बाद शिकायत क्रमांक 40583976 के माध्यम से दोबारा शिकायत की गई, लेकिन उसका भी संतोषजनक निराकरण नहीं हुआ। इसके बाद 14 अक्टूबर 2026 को तीसरी शिकायत क्रमांक 41095283 दर्ज कराई गई।

जांच के बिना शिकायत बंद तो फिर जवाबदेही किसकी?

शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब निर्माण कार्य में अनियमितता के वीडियो साक्ष्य उपलब्ध होने का दावा किया जा रहा है, तो विभागीय स्तर पर उनकी जांच क्यों नहीं कराई गई? शिकायतकर्ता को जांच की जानकारी दिए बिना बार-बार शिकायत बंद करना सीएम हेल्पलाइन की शिकायत निवारण व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि आसानगांव-टेमला मार्ग के निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी टीम से जांच कराई जाए। तीनों शिकायतों पर प्रस्तुत विभागीय प्रतिवेदनों की भी जांच हो और शिकायतों को फोर्स क्लोज करने की प्रक्रिया में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। साथ ही निर्माण कार्य में अनियमितता प्रमाणित होने पर संबंधित ठेकेदार एवं जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

चार लाख का गांजा सहित चार तस्करों को किया गिरफ्तार



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर दबिश देते हुए गांजा तस्करी में लिप्त एक गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने मौके से तीन महिलाओं और एक पुरुष सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 18 किलो 360 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय व स्थानीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब चार लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस को सूचना मिली कि आनंदनगर रोड स्थित भगवान इमलेश्वर महादेव जी मंदिर के पास कुछ संदिग्ध व्यक्ति अवैध रूप से गांजा बेचने की फिराक में खड़े हैं। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर चार संदिग्धों को अभिरक्षा में लिया। जब पुलिस टीम ने इनकी विधिवत तलाशी ली, तो उनके पास मौजूद नौ अलग-अलग पैकेटों में छिपाकर रखा गया 18.360 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

पुलिस पूछताछ में पकड़े गए सभी आरोपी सीहोर जिले के आष्टा क्षेत्र के निवासी निकले। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भोपाल नाका ईंट भट्टा के पास रहने वाले सरवन पिता वृंदावन और मंजू बाई पति महेश कुचबंदिया तथा भोपाल नाका गायत्री मंदिर के सामने रहने वाली काजल पिता रमेश कुचबंदिया और पिंकी पिता रमेश कुचबंदिया के रूप में हुई है। कोतवाली पुलिस ने चारों आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 809/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब इस बात की गहन विवेचना कर रही है कि आरोपी यह गांजा कहां से लाए थे।

विधायक भैरों सिंह पुत्र के निधन पर मुख्यमंत्री ने व्यक्त कीं शोक संवेदना



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर मालवा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को दोपहर में राजस्थान के झालावाड़ जिले में सुसनेर विधायक भैरव सिंह बापू के ग्राम रतनपुरा में उनके निज निवास पहुंचकर सुसनेर के विधायक श्री भैरों सिंह परिहार बापू के सुपुत्र श्री गजेंद्र सिंह बबलू बना के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने स्वर्गीय गजेंद्र सिंह बबलू बना के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर विधायक गरोठ, चंदर सिंह सिसोदिया, विधायक आगर माधव सिंह मधु गहलोत, जिला अध्यक्ष ओम मालवीय, मयंक राजपूत, प्रेम नारायण यादव श्याम सिंह परिहार दिलीप सखलेचा सहित जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना, पुलिस अधीक्षक श्री दिलीप सोनी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रविंद्र बोयत, एडीएम डॉ शालिनी श्रीवास्तव, एसडीएम कमल मंडलोई एसडीओपी सुश्री नीलम बघेल एवं आगर तथा झालावाड़ जिले के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं पत्रकारगण भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शोकाकुल परिवार से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की तथा परिवार को ढांढस बंधाया।

मालवीय ने रतनपुरा पहुंचकर व्यक्त की संवेदनाएं

इसके पहले सुबह मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य एवं पूर्व विधायक रामलाल मालवीय ने स्वर्गीय गजेंद्र सिंह परिहार बबलू बना के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की और स्वर्गीय गजेंद्र सिंह परिहार के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जगतगुरु शंकराचार्य को दिया मंडलेश्वर आने का न्योता



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

मंडलेश्वर। श्रृंगेरी मठ के शंकराचार्य श्री विधुशेखर भारती जी की आज होने वाली महेश्वर यात्रा में मंडलेश्वर को भी शामिल करने का न्योता रविवार को इंदौर में शंकरराचार्य श्री विधुशेखर भारती जी को दिया।निमंत्रण देने पहुंचे प्रतिनिधि मंडल में पंडित पंकज मेहता नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे अधिवक्ता संजीव मोयदे और इतिहासकार दुर्गेश राजदीप शामिल थे।

शंकराचार्य महाराज से पंडित पंकज मेहता ने संस्कृत में बातचीत कर मंडलेश्वर पधारने का आग्रह किया। अधिवक्ता संजीव मोयदे ने शंकराचार्य को अपनी पुस्तक नदी माँ की प्रति भेंट करते हुए बताया गया की इस पुस्तक में तुंगभद्रा नदी और नर्मदा नदी की सभ्यता और संस्कृति का उल्लेख किया गया हैं श्रृंगेरी मठ तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित हैं यहीं नजदीक उनका ननिहाल हैं। नप अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे ने शंकराचार्य महाराज को नगर के गुप्तेश्वर मंदिर, गंगाझीरा,छप्पन देव मंदिर और नर्मदा घाट पर पधारने का अनुरोध किया। प्रतिनिधि मंडल ने श्री शंकराचार्य जी को उनके गुरु श्री भारती तीर्थ जी महाराज की 1994 में मंडलेश्वर यात्रा का चित्र भेंट किया।

दो कारों को टक्कर मारकर डिवाइडर पर पलटा रेत से भरा डंपर

देवास। कालूखेड़ी बायपास पर तेज रफ्तार रेत से भरे डंपर ने आगे चल रही दो कारों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद डंपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर पलट गया। हादसे में दोनों कारों में सवार आठ लोगों को गंभीर चोट नहीं आई, जबकि वाहनों को नुकसान पहुंचा। नौसराबाद निवासी डॉ. महेंद्र चौहान के अनुसार, वे अपनी कार से जा रहे थे और उनके पीछे एक अन्य कार थी। इसी दौरान पीछे से तेज गति में आए डंपर ने पहले आगे चल रही कार को टक्कर मारी और फिर उनकी कार को भी चपेट में ले लिया। टक्कर से उनकी कार मुड़कर डिवाइडर पर चढ़ गई और डंपर भी वहीं पलट गया। डॉ. चौहान की कार में तीन और दूसरी कार में पांच लोग सवार थे। सभी सुरक्षित रहे। डंपर में भरी रेत सड़क पर फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों को हटवाया, जिसके बाद यातायात बहाल हुआ।

कपिल महाजन बने कैट के खरगोन जिले के अध्यक्ष



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की मध्यप्रदेश इकाई का प्रदेश स्तरीय शपथ ग्रहण समारोह भोपाल में आयोजित किया गया।

इस समारोह में खरगोन जिले के युवा उद्यमी कपिल महाजन ने कैट के जिला अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। इस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशभर से आए 55 जिलों के नवनियुक्त जिला अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों को पद एवं दायित्व निर्वहन की शपथ दिलाई।

समारोह में कैट के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा विभिन्न जिलों के नवनियुक्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण के साथ ही श्री महाजन ने संगठन की एकजुटता, व्यापारियों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा, व्यापारिक समस्याओं के समाधान तथा व्यापार जगत को नई दिशा देने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य करने का संकल्प लिया। कपिल महाजन के जिला अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं दी गईं।

आध्यात्म श्री कालवा बालाजी धाम पर भक्तों की मनोकामना होती है पूरी

मन्नत पूरी होने पर भक्तजन कराते है मंदिर पर भंडारा



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगरमालवा। जिले के सुसनेर स्थित भगवान श्री कालवा बालाजी मंदिर प्रमुख धार्मिक एवं आस्था केंद्र है। यह मंदिर सुसनेर नगर से लगभग 15 से 17 किलोमीटर की दूरी पर मध्यप्रदेश और राजस्थान की सीमा के समीप विंध्याचल पर्वत श्रृंखला पर स्थित है।

श्री कालवा बालाजी मंदिर के निर्माण की प्रामाणिक तिथि अथवा शिलालेखीय साक्ष्य उपलब्ध अभिलेखों में स्पष्ट रूप से अंकित नहीं है। स्थानीय जनश्रुति एवं परंपरा के अनुसार यह मंदिर अत्यंत पुरातन है तथा पीढ़ियों से इस क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। विंध्याचल क्षेत्र में हनुमान उपासना की परंपरा प्राचीन काल से रही है। कालवा क्षेत्र का नाम तथा मंदिर की स्थापना इसी परंपरा से जुड़ी मानी जाती है। समय के साथ श्रद्धालुओं के सहयोग एवं जनसहभागिता से मंदिर परिसर का क्रमशः विकास एवं जीर्णोद्धार होता रहा है।

मान्यता एवं मन्नत परंपरा

कालवा बालाजी के प्रति श्रद्धालुओं में यह दृढ़ मान्यता प्रचलित है कि यहां सच्चे मन से हाजिरी लगाने पर मनोकामना पूर्ण होती है। मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र एवं पंजाब सहित अनेक राज्यों से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। श्रद्धालु अपनी समस्याएं, पारिवारिक कष्ट, रोग, संतान, रोजगार, विवाह एवं अन्य मनोकामनाएं बालाजी के समक्ष रखते हैं। मान्यता है कि दुखियों के दुख दूर होते हैं, रोगियों को पीड़ा से राहत मिलती है तथा पारिवारिक क्लेश एवं जीवन की बाधाओं का निवारण होता है। मन्नत पूर्ण होने पर श्रद्धालु परिवार सहित मंदिर आकर भंडारा कराते हैं, भोजन प्रसादी बनाते हैं तथा हनुमान जी को दाल-बाटी का भोग लगाते हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। मन्नत के रूप में चोला चढ़ाना, ध्वजा अर्पित करना, परिक्रमा करना तथा भंडारा कराना प्रमुख रूप से प्रचलित है।

पूजा पद्धति एवं अनुष्ठान

मंदिर में प्रतिदिन प्रातः एवं सायं पूजा-अर्चना, आरती एवं श्रृंगार किया जाता है। हनुमान जी को चोला चढ़ाकर आकर्षक श्रृंगार किया जाता है। मंगलवार एवं शनिवार को विशेष पूजा का विधान है। इन दिनों हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हनुमान जन्मोत्सव, रामनवमी एवं अन्य प्रमुख पर्वों पर मंदिर में विशेष आयोजन, भजन-कीर्तन एवं भंडारे का आयोजन किया जाता है। मंदिर की एक विशिष्ट परंपरा दाल-बाटी के भोग की है। श्रद्धालु स्वयं भोजन प्रसादी तैयार कर बालाजी को भोग लगाते हैं तथा प्रसादी का वितरण करते हैं। ग्रामीण अंचल की महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन, झांझ-मंजीरों एवं ढोलक की थाप पर भजनों के साथ नृत्य की प्रस्तुति भी मंदिर की सांस्कृतिक परंपरा का अंग बन गई है।

किंवदंती एवं जनश्रुति

जनश्रुति के अनुसार कालवा बालाजी जाग्रत देवस्थान हैं। स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार पूर्व में जब यह क्षेत्र दुर्गम पर्वतीय मार्ग से जुड़ा था, तब भी श्रद्धालु पैदल यात्रा कर यहां पहुंचते थे। कहा जाता है कि बालाजी अपने भक्तों की परीक्षा लेते हैं और सच्ची श्रद्धा से की गई प्रार्थना को अवश्य स्वीकार करते हैं। भूत-प्रेत बाधा, नजर दोष एवं मानसिक अशांति से पीड़ित लोग भी यहां आकर शांति का अनुभव करते हैं, ऐसी जनमान्यता प्रचलित है। इन किंवदंतियों का कोई शासकीय अथवा पुरातात्विक प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

पर्यावरण पंचकोसी यात्रा निकाली

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। मां नर्मदा को प्रदूषण से बचाने एवं जन जागरूकता लाने के लिय नर्मदा समग्र द्वारा रविवार को नर्मदा तट भट्ठयान से वेद वेदेशवर आश्रम मांकड़खेड़ा तक पैदल पर्यावरण पंचकोशी यात्रा निकाली गई।

यात्रा की शुरूआत नर्मदा तट भट्ठयान से संत श्री सियाराम बाबा की समाधि के दर्शन एवं मां नर्मदा के पूजन के साथ की। यात्रा में नर्मदा समग्र संभाग टोली सदस्य सुधीर सराफ, गजेंद्र पटेल, पीयूष जोशी, हर्ष पालीवाल, दिनेश कर्मा, संभाग सह समन्वयक अभिषेक भटोरे आदि शामिल हुए। यात्रा के दौरान ग्राम ससाबड, अमलाथा एवं लेपा में चौपाल बैठकों के माध्यम से परिक्रमवासियों एवं ग्रामीणों को मां नर्मदा को प्रदूषण से बचाने एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु मां नर्मदा किनारे पेड़ पौधे लगाने के प्रति जागरूक किया। वेद वेदेशवर



आश्रम मांकड़खेड़ा में यात्रा का समापन हुआ।

मार्ग संकेतकों के साथ रास्ते की समस्याओं को जाना

संभाग टोली सदस्य सुधीर सराफ एवं गजेंद्र पटेल ने बताया कि पैदल यात्रा के दौरान हमने मां नर्मदा में पॉलीथिन एवं साबन का उपयोग ना करने, पुराने कपड़े, चप्पल नर्मदा तटों पर ना छोड़ने एवं पूजन सामग्री, फुल, पत्रिका, आदि को नर्मदा में ना प्रवाहित करने की अपील की। यात्रा के दौरान परिक्रमा मार्ग में मार्ग संकेतकों के साथ रास्ते की समस्याओं को जाना एवं उन्हें दूर करने के लिय प्रयास किए जायेगे। नर्मदा समग्र के राज्य समन्वयक मनोज जोशी ने बताया कि स्व अनिल माधव जी दवे द्वारा स्थापित नर्मदा समग्र द्वारा मां नर्मदा स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता लाने के लिय नर्मदा तटों पर पर्यावरण पंचकोशी यात्रा निकाली जाती है।

एक घाट से दूसरे घाट तक की लगभग 10 से 15 किमी तक की एक दिवसीय इस यात्रा के माध्यम से मां नर्मदा को स्वच्छ बनाए रखने के प्रति जन जागरण किया जाता है।।

ठेकेदार पर 10 लाख की पेनल्टी के निर्देश

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर निगमायुक्त सख्त,



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच शहर के प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण और विकास कार्यों में लापरवाही अब ठेकेदारों को भारी पड़ने लगी है। रविवार सुबह निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा अपनी अधिकारियों की टीम के साथ शहर के विभिन्न निमार्णाधीन मार्गों और परियोजनाओं का औचक निरीक्षण करने पहुंचे।

निरीक्षण के दौरान निकास चौराहे से वीडी क्लॉथ मार्केट तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य की रफ्तार अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिलने पर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने धीमी कार्यप्रणाली पर सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी फर्म तुलसीनारायण गर्ग पर 10 लाख रुपए की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सिंहस्थ महापर्व से पहले सड़कों का चौड़ीकरण और अन्य बुनियादी कार्य केवल कागजों पर नहीं, बल्कि तय समय-सीमा में जमीन पर नजर आने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में काम की गति धीमी है, वहां ठेकेदार अतिरिक्त मजदूर और संसाधन लगाकर निर्माण कार्य को तेज करें। इसके बाद आयुक्त ने रामानुज कोट से दानीगेट तक करीब 470 मीटर लंबे और 18 मीटर चौड़े मार्ग का निरीक्षण किया। यहां 1600 एमएम की स्टॉर्म वाटर ड्रेन लाइन डालने का काम 10 दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

महामृत्युंजय द्वार चौराहे पर डिवाइडर बनने के बाद पैदा हुई समस्या

रास्ता बंद होने से भड़के लोग सांसद के घर का किया घेराव

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



उज्जैन। महामृत्युंजय द्वार चौराहे परउज्जैन में इंदौर रोड स्थित महामृत्युंजय द्वार चौराहे पर डिवाइडर बनने के बाद रास्ता बंद होने का मामला एक बार फिर गरमा गया है। समस्या के समाधान के लिए दिया गया 10 दिन का समय पूरा होने पर रविवार दोपहर 1 बजे महेश विहार सहित आसपास की करीब 25 कॉलोनियों के रहवासी सांसद अनिल फिरोजिया के निवास पहुंचे और घेराव किया।बड़ी संख्या में एकत्रित हुए लोगों ने चौराहे पर पुरानी आवागमन व्यवस्था बहाल करने, रोटरी बनाने और ट्रैफिक सिग्नल के साथ सुरक्षित कट देने की मांग उठाई।

रहवासियों का कहना है कि डिवाइडर बनने से चौराहे का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे सर्विस रोड से नानाखेड़ा की ओर जाने के लिए शांति पैलेस चौराहे से घूमकर करीब दो किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। इससे सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को हो रही है। स्कूल बस संचालकों ने भी इस क्षेत्र में बसें भेजने से इनकार कर दिया है, जिससे बच्चों का स्कूल पहुंचना मुश्किल हो गया है, वहीं स्थानीय व्यापारियों और होटल-रेस्टोरेंट संचालकों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। रहवासी विक्रम सिंह सोलंकी और रेखा कदम ने स्पष्ट किया कि वे विकास कार्यों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन प्रशासन को स्थानीय लोगों की बुनियादी सुविधा का भी ध्यान रखना चाहिए।

सोमवार तक समस्या हल नहीं होने पर चक्काजाम और चरणबद्ध आंदोलन

मौके पर मौजूद सांसद अनिल फिरोजिया ने रहवासियों को आश्वस्त किया कि उनकी कलेक्टर और एमपीआरडीसी के अधिकारियों से चर्चा हो चुकी है। सोमवार को एमपीआरडीसी के अधिकारी दो-तीन वैकल्पिक प्लान लेकर आएंगे, जिन पर कॉलोनीवासियों के साथ बैठक कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सांसद ने कहा कि महामृत्युंजय द्वार चौराहा महाकाल मंदिर से महज डेढ़ किलोमीटर दूर है और अब शहर के मध्य आ चुका है, इसलिए यहां शहर के अंदरूनी यातायात के अनुरूप उचित कट, ट्रैफिक सिग्नल और जेब्रा क्रॉसिंग की सुविधा देना जरूरी है। उधर, कॉलोनीवासी संतोष व्यास ने कहा कि यह प्रदर्शन किसी दल या नेता के खिलाफ नहीं बल्कि जनसुविधा के लिए है। सांसद के आश्वासन पर सोमवार की बैठक तक आंदोलन स्थगित रखा गया है, लेकिन यदि अधिकारियों का प्लान लोगों की सुविधा के अनुरूप नहीं हुआ तो रहवासी चक्काजाम और चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। ज्ञापन के माध्यम से रहवासियों ने डी-मार्ट के सामने भी उचित कट व सिग्नल देने तथा इंदौर-उज्जैन सिक्सलेन पर इंजीनियरिंग कॉलेज अंडरपास के ऊपर कॉलेज की ओर एक सिरा बनाने की मांग भी प्रमुखता से रखी है।

10 लाख रुपए से संवरेगा मंगल कॉलोनी का उद्यान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। शहर के उद्यानों की बदहाल व्यवस्था और रखरखाव को लेकर अब नगर निगम ने रहवासियों की भागीदारी पर जोर देना शुरू किया है। इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 42 की मंगल कॉलोनी स्थित उद्यान को करीब 10 लाख रुपए की लागत से संवारा जाएगा।

रविवार दोपहर निगम अध्यक्ष कलावती यादव ने उद्यान सौंदर्यीकरण एवं संधारण कार्य का भूमिपूजन किया। खास बात यह है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद उद्यान की देखभाल के लिए समिति भी बनाई जाएगी।उद्यान में बाउंड्रीवॉल की रंगाई-पुताई, रोशनी के लिए मिनी मास्ट लाइट, बैठने के लिए कुर्सियां और बच्चों के लिए झूले लगाए जाएंगे। इससे कॉलोनी के बच्चों, बुजुर्गों और रहवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

सिर्फ निर्माण ही नहीं रखरखाव की भी जिम्मेदारी

भूमिपूजन कार्यक्रम में निगम अध्यक्ष कलावती यादव ने कहा कि उद्यान का सौंदर्यीकरण होने के बाद रहवासी समिति बनाकर इसकी नियमित देखभाल करें। उद्यान की सुंदरता और सुविधाएं लंबे समय तक बनी रहें, इसके लिए स्थानीय लोगों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने भूमिगत जलस्तर में कमी का हवाला देते हुए पानी का अपव्यय रोकने और जल संरक्षण में सहयोग करने का आग्रह किया है।



स्वदेशी मेला 27 से पुलिस ग्राउंड में

संत-महात्माओं एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में हुआ भूमिपूजन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



देवास। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा शहर में आगामी 27 नवंबर से 7 दिसंबर तक पुलिस ग्राउंड पर आयोजित होने जा रहे भव्य स्वदेशी मेला का भूमिपूजन समारोह विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। समारोह में संत-महात्माओं, सामाजिक एवं संगठनात्मक पदाधिकारियों सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संत स्वामी सुरेशानंद जी तीर्थ एवं बागर के अवधूत चिंतन गुरुदेव दत्त का विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ।

इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक एवं स्वदेशी जागरण मंच के द्वि-क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव दुबौलिया, महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, स्वदेशी मेला पालक समीर मूंदड़ा, मालवा प्रांत संयोजक प्रो. डॉ. विशाल पुरोहित एवं उज्जैन संभाग पूर्णकालिक हेमंत रावत प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। साथ ही मेला समिति के सभी सदस्य एवं मातृ शक्तियों भी समारोह में शामिल रही।

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को लेकर चर्चा

मेला संयोजक विजेंद्र उपाध्याय ने ने बताया कि संत-महात्माओं एवं अतिथियों की उपस्थिति में विधि-विधान से भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर स्वदेशी उत्पादों के उपयोग, स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन देने तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के महत्व पर चर्चा की गई।आयोजन का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना, स्थानीय व्यापारियों, लघु एवं कुटीर उद्योगों तथा महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करना और आमजन को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित करना है। आयोजन समिति के अनुसार मेले में विभिन्न स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल, उद्यमिता से जुड़े आकर्षण एवं विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

बाबा श्याम का सजा भव्य दरबार, भक्तों ने लगाए जयकारे

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। बाबा श्याम जन्मोत्सव के पावन पर्व के उपलक्ष्य में संस्था करने वाला श्याम, कराने वाला श्याम द्वारा जवाहर नगर स्थित मुख्य मार्ग पर साईं मंदिर के समीप भव्य श्याम दरबार सजाकर विशाल फलाहारी भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान सम्पूर्ण क्षेत्र बाबा श्याम के जयकारों से गुंजायमान, भक्तिमय हो उठा।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर धर्मलाभ लिया। भंडारे के साथ ही बाबा श्याम का आकर्षक एवं मनमोहक पुष्पों से श्रृंगार किया गया। पवित्र ज्योत प्रज्जवलित कर विधि-विधान से पूजन एवं महाआरती संपन्न की गई। महाआरती के पश्चात फलाहारी महाप्रसादी वितरण का शुभारंभ हुआ।

श्रद्धालुओं को फलाहारी खिचड़ी, चिप्स, मिक्चर, दही, केले सहित विभिन्न प्रसाद सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी सहित अनेक भक्तजन मौजूद रहे।



श्रद्धा के साथ निकल रही है प्रभातफेरी

गुरु नानक जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिदिन निकाली जा रही है प्रभात फेरी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



शाजापुर। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व गुरु नानक जयंती के उपलक्ष्य में शहर में इन दिनों भक्ति और श्रद्धा का विशेष वातावरण देखने को मिल रहा है। पर्व की खुशियों और गुरु साहिब के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सिख समाज के लोगों द्वारा प्रतिदिन सुबह प्रभातफेरी निकाली जा रही है।

प्रातःकाल निकलने वाली प्रभातफेरी में आकर्षक फूलों से सुसज्जित पालकी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। पालकी को सुंदर फूलों और आकर्षक सजावट से सजाया गया है। समाजजन श्रद्धापूर्वक पालकी को लेकर नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हैं। इस दौरान हाथों में केसरिया ध्वज लिए श्रद्धालु गुरु साहिब के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते नजर आते हैं। प्रभातफेरी के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। प्रभातफेरी में महिलाओं की सहभागिता भी उल्लेखनीय है। समाज की महिलाएं भी पूरे उत्साह के साथ इसमें शामिल होकर धार्मिक आयोजन को भव्यता प्रदान कर रही हैं। नगर के बाजारों और मार्गों से प्रभातफेरी निकलने के दौरान जगह-जगह श्रद्धा का माहौल दिखाई देता है। श्रद्धालू गुरु नानक देव जी के बताए मार्ग पर चलने और उनके विचारों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेते नजर आते हैं।

गुरु नानकके संदेशों को पहुंचाने का प्रयास

गुरु नानक देव जी ने संपूर्ण मानव समाज को प्रेम, समानता, भाईचारे, सेवा और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने जाति-पाति और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर सभी मनुष्यों को एक समान मानने की प्रेरणा दी। उनके बताए तीन प्रमुख सिद्धांत नाम जपो, किरत करो और वंड छको आज भी समाज को सही दिशा दिखाते हैं।

राजस्थान में सड़क हादसे में देवास के दो लोगों की मौत, 18 घायल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। राजस्थान के फलोदी में जोधपुर-जैसलमेर हाईवे पर मंडला गांव के पास शनिवार शाम कार और टेंपो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में देवास के मुकेश (50) और राजेंद्र (50) की मौत हो गई, जबकि टेंपो में सवार 18 यात्री घायल हो गए। इनमें 14 की हालत गंभीर बताई गई है। जानकारी के अनुसार, मुकेश और राजेंद्र कार से रामदेवरा दर्शन कर मध्यप्रदेश लौट रहे थे। वहीं, टेंपो में गुजरात के पालनपुर और बनासकांठा के यात्री दर्शन के लिए जा रहे थे। टक्कर के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और राहगीरों ने अपने वाहनों तथा 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को देचू उप जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने मुकेश और राजेंद्र को मृत घोषित कर दिया।

महाआरती के साथ लगा 56 भोग, महिलाओं ने दी भजनों की प्रस्तुति

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



देवास। विजयवर्गीय (वैश्य) समाज द्वारा दीपोत्सव एवं नूतन वर्ष के उपलक्ष्य में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 56 भोग अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन मंडी व्यापारी धर्मशाला, एबी रोड पर श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। समाज अध्यक्ष मांगीलाल विजयवर्गीय ने बताया कि आयोजन स्वामी 1008 रामचरणजी महाराज की असीम कृपा एवं श्रीनाथजी के आशीर्वाद से किया गया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु सपरिवार शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत भजन एवं धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। भजनों की मधुर प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। इसके पश्चात संत स्वामी रामनारायणजी, संत सुमिरनजी महाराज (रामद्वारा) एवं पुनितराम का सानिध्य प्राप्त हुआ। संतों ने अपने आशीर्वचन एवं प्रवचनों के माध्यम से धर्म, संस्कार, भक्ति और सामाजिक एकता का संदेश दिया। आयोजन में विधि-विधान से महाआरती संपन्न हुई तथा भगवान को छप्पन भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं को दिव्य 56 भोग के दर्शन कराए गए। साथ ही रचिता भरत विजयवर्गीय द्वारा आकर्षक रंगोली सजाई गई। इसके पश्चात रात्रि 7 बजे से महाप्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों एवं श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजकों ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव समाज के सहयोग से आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रहलाददास विजयवर्गीय, धैर्यशील विजयवर्गीय, सत्यनारायण विजयवर्गीय, संतोष विजयवर्गीय, नितिन विजयवर्गीय, राजेन्द्र विजयवर्गीय, ब्रजमोहन विजयवर्गीय, रामचंद्र विजयवर्गीय मौजूद रहे।

विवाद दूल्हा पक्ष बोला जूता चुराई में विवाद, दुल्हन पक्ष ने लगाया मांग का आरोप

उज्जैन से आई बारात बिना दुल्हन के लौटी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



शाजापुर। जहां कुछ देर पहले नाच-गाना चल रहा था और दुल्हन की विदाई होने वाली थी, वहां माहौल तनाव पूर्ण हो गया। आखिर में न दुल्हन ससुराल पहुंची बल्कि मामला थाने पहुंच गया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। इस शादी के बाद उज्जैन से आया दूल्हा अनुराग यादव शनिवार को अपने परिजन के साथ शाजापुर में ही डेरा डाले रहा। उधर दुल्हन के चाचा और भाजपा पार्षद सुनील पेंटर की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने दूल्हा पक्ष के खिलाफ मारपीट और गाली-गलौज का केस दर्ज कर लिया है।

बताया जाता है कि उज्जैन निवासी अनुराग यादव (23) और शाजापुर निवासी योगिता का रिश्ता करीब 7-8 महीने पहले तय हुआ था। 20 नवंबर को शाजापुर के गैस गोडाउन रोड पर दोनों की शादी हुई। शादी की सभी रस्में शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हो गईं, लेकिन शाम को जब विदाई का समय आया तो दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और विवाद बढ़ने पर दुल्हन पक्ष ने विदाई रोक दी। दुल्हन के चाचा और भाजपा पार्षद सुनील पेंटर ने आरोप लगाया कि दूल्हा पक्ष शुरूआत से ही 100 साड़ी और 100 जोड़ी कपड़े देने का दबाव बना रहा था। जब इसमें असमर्थता जताई गई, तो इसके बदले नकद रुपए की मांग की जाने लगी। उन्होंने बताया कि दुल्हन के पिता की छोटी सी चाय की गुमटी है और उनकी आर्थिक स्थिति इतनी बड़ी व्यवस्था करने की नहीं है। आरोप है कि इसी बात को लेकर दूल्हा पक्ष ने गाली-गलौज और मारपीट की। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई

दुल्हे पक्ष का आरोप जूता चुराई में मांगे 25 हजार

इधर दूल्हा पक्ष ने इन आरोपों को खारिज करते हुए विवाद की वजह जूता चुराई की रस्म को बताया है। उनका कहना है कि रस्म के दौरान दुल्हन के चचेरे भाई ने नेग के रूप में 25 हजार रुपए मांगे थे। दूल्हा पहले 500 और फिर 1100 रुपए देने को तैयार हुआ, लेकिन वे नहीं माने और विवाद खड़ा कर दिया। दुल्हे के पक्ष के लोगों ने बताया कि शनिवार को उज्जैन में रिसेप्शन का कार्यक्रम रखा गया है, जहां करीब 1000 से 1500 मेहमानों के भोजन की व्यवस्था की गई है। उनका कहना है कि वे दुल्हन को साथ ले जाने के लिए तैयार हैं, लेकिन परिजन विदाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत लेकर कोतवाली थाने जाने पर उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई।

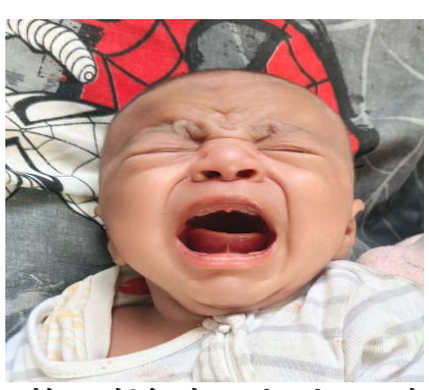
पुलिस ने किया मामला दर्ज

मामले को लेकर कोतवाली थाना प्रभारी नवीन बिलवालिया ने बताया कि दुल्हन पक्ष की शिकायत पर दूल्हा पक्ष के खिलाफ धारा 296(बी), 115(2), 351(3) और 3(5) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शनिवार को भी दोनों पक्षों के बीच गतिरोध बना हुआ है। फिलहाल मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

एक माह के बच्चे के गले में फंसी सेफ्टी पिन चिकित्सक ने निकाली

लेरिंगो स्कोप की मदद से बचाई नवजात की जान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



शाजापुर। सारंगपुर निवासी पति-पत्नी अपने बच्चे को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल लेकर आए थे जिनके सवा माह के बच्चे के गले में सेफ्टी पिन फंस गई थी। परिजनों ने चिकित्सक को परेशानी बताई। जिन्होंने 15 से 20 मीनिट की मशक्कत के बाद लेरिंगो स्कोप से छोटा सा ऑपरेशन कर उसके गले से सेफ्टी पिन निकाल दी। अब बच्चा स्वस्थ है और उसे फिलहाल एहतियात के लिए आईसीयू में रखा गया है।

परिजनों ने बताया कि उन्होंने उसके गले में गोप पहना रखी थी जिसमें सेफ्टी पिन लगा हुआ था। बच्चे के मुंह में गोप चली गई और सेफ्टी पिन खुल जाने से पिन उसके टांसिल तक पहुंच गई थी। परिजन उसे उल्टा रखकर जिला अस्पताल लेकर आए और सीधे डॉ. तेजपालसिंह जादौन से मिले और उन्हें बच्चे की स्थिति से अवगत कराया। इस पर डॉक्टर जादौन ने बिना देर किए बच्चे के गले में दूरबीन से देखा तो पता चला कि पिन बच्चे के टांसिल तक पहुंच गई है जिससे बच्चे को तकलीफ हो रही थी। उन्होंने तुरंत लेरिंगो स्कोप तकनीक की सहायता से बच्चे का ऑपरेशन किया और करीब 15 मीनिट की मशक्कत के बाद पिन को बाहर निकाल दिया। जिससे बच्चे को राहत मिली और परिजनों ने भी राहत की सांस ली।

डॉ. जादौन ने बताया कि यदि ज्यादा देर हो जाती तो बच्चे की जान भी जा सकती थी। फिलहाल उसे एहतियात के तौर पर आईसीयू में रखा गया है जहां बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है।

अमृत स्टेशन के बाहर सड़कें जर्जर, 2 माह में मरम्मत का दिया भरोसा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। रेलवे स्टेशन के कायाकल्प पर करोड़ों रुपए खर्च होने के दावों के बीच स्टेशन को जोड़ने वाले घोसीपुरा मार्ग की स्थिति प्रशासनिक दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को उजागर कर रही है। एक ओर जहां इंजीनियरिंग मानकों के हवाले से सीमेंट-कंक्रीट सड़क की उम्र चालीस वर्ष बताई जा रही है, वहीं दूसरी ओर वर्षों पहले बनी इस सड़क की कंक्रीट उखड़ चुकी है और गड्ढों से सरिए बाहर निकल आए हैं।

रेलवे सामुदायिक भवन के पास से गुजरने वाले इस रास्ते पर गहरे गड्ढे और उखड़ी गिट्टी वाहन चालकों व राहगीरों के लिए रोजाना खतरा बन रहे हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। घोसीपुरा मार्ग केवल एक स्थानीय गली नहीं बल्कि शहर के बड़े हिस्से और आसपास के क्षेत्रों को मुख्य मार्गों तथा रेलवे स्टेशन से जोड़ने वाली अहम कड़ी है। कैंट क्षेत्र की कॉलोनियों के साथ-साथ अशोकनगर दिशा के यात्रियों और रेल अंडरब्रिज के रास्ते आरोन-बजरंगगढ़ मार्ग, श्रीराम कॉलोनी, भुल्लन पुरा व भुजरिया तालाब की ओर जाने वाले लोगों को इसी मार्ग से गुजरना पड़ता है। रात के समय स्ट्रीट लाइट बंद रहने और अंधेरा पसरे होने के कारण सुबह व देर रात सफर करने वालों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है, साथ ही असामाजिक तत्वों की सक्रियता से जुड़ी आशंकाएं भी लोगों को परेशान कर रही हैं।



सीमा विवाद और अधूरी मरम्मत के बीच पिसते आम लोग

इस मार्ग की बदहाली को लेकर जिम्मेदार विभागों के बीच तालमेल और जवाबदेही की कमी भी सामने आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब तीन माह पहले हुई आंशिक मरम्मत औपचारिकता भर साबित हुई और समस्या जस की तस बनी रही। नगर पालिका का कहना है कि यह हिस्सा रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है, इसलिए निर्माण कार्य नगर पालिका के दायरे में नहीं है, जबकि रेलवे के स्थानीय अधिकारी स्थिति से अनभिज्ञता जताते हुए फोटो भेजने और मामले को दिखवाने की बात कहते रहे हैं। खींचतान से आम नागरिकों और रेल यात्रियों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है।

दो माह की समयसीमा पर टिकी निगाहें, नए सिरे से निर्माण की मांग

स्टेशन को अमृत भारत योजना के तहत आधुनिक रूप दिए जाने के बीच संपर्क मार्ग की उपेक्षा को लेकर नागरिकों और यात्रियों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि अस्थायी पैचवर्क के बजाय पूरी सड़क का नए सिरे से निर्माण कराया जाए ताकि आवागमन सुचारू और सुरक्षित हो सके। इस पूरे मामले पर भोपाल रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी शिवशंकर शाह ने स्पष्ट किया है कि सड़क का मामला प्रक्रिया में है, निर्माण रेलवे द्वारा ही कराया जाना है और दो महीने के भीतर इसकी मरम्मत कर दी जाएगी। अब स्थानीय लोगों और यात्रियों की निगाहें इसी तय समयसीमा के भीतर जमीनी काम शुरू होने पर टिकी हैं।

एसडीएम चंदेरी ने किया ग्राम पंचायत का निरीक्षण



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। एसडीएम चंदेरी मनीष धनगर ने शनिवार को ग्राम पंचायत कुंवरपुर एवं ग्राम नानकपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को नोटिस एवं नाश्ता भोजन वितरण नहीं करने के कारण समूह को हटाने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही स्कूल में बिजली कनेक्शन एवं स्कूली बच्चों द्वारा गणवेश पहन कर स्कूल आने हेतु प्राचार्य को निर्देशित किया गया।दस्तावेज एवं रिकॉर्ड पंचायत भवन में नहीं पाये जाने पर पंचायत सचिव को नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए। ग्राम कुंवरपुर में अवैध शराब विक्रय की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल जब्ती की कार्यवाही कर आबकारी अधिनियम अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कराया गया। उप स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण में सीएचओ अनुपस्थित पाये जाने पर नोटिस जारी किये जाने के निर्देश दिए।

बालाजी मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा की धूम

गुना। हाट रोड स्थित पशु चिकित्सालय प्रांगण के श्री बालाजी मंदिर में कार्तिक मास के पावन अवसर पर संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के पांचवें दिन व्यासपीठ से आचार्य जयन्तेश जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और भागवत के विभिन्न आध्यात्मिक प्रसंगों का मार्मिक वर्णन किया। कथा श्रवण करने के लिए शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इस दौरान प्रस्तुत किए गए मधुर भजनों ने पूरे पंडाल को भक्तिमय बना दिया, जिस पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते नजर आए। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जा रहा है। कथामनोरथी श्रीमती हेमलता-रामस्वरूप राठौर एवं समस्त राठौर (झलवासिया) परिवार ने बताया कि यह धार्मिक अनुष्ठान 24 नवंबर तक चलेगा। आयोजक परिवार ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में कथा स्थल पर पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है।

सूखे पत्तों में चिंगारी भड़कने से दुकान में लग गई आग



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। नगर पालिका की दमकल टीम की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई के चलते रविवार दोपहर शहर के व्यस्ततम इलाके में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। शास्त्री पार्क स्थित मानस भवन के पास वाली गली में सूखे पत्तों से भड़की आग ने पास की एक दुकान को अपनी चपेट में ले लिया था, लेकिन समय रहते आग बुझा ली अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। जानकारी के मुताबिक, सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मानस भवन के समीप रविवार 22 नवंबर को दोपहर करीब 1 बजे कचरे और सूखे पत्तों के ढेर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते लपटों ने पास स्थित एक दुकान को घेर लिया, जिससे भीतर रखी कुर्सी, टेबल और टीवी सहित अन्य सामान जल गया। रिहायशी और व्यावसायिक क्षेत्र होने के कारण आग फैलने का खतरा बढ़ गया था। हादसे की सूचना मिलते ही नगर पालिका की दमकल गाड़ी बिना समय गंवाए मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। समय पर मिली मदद से आग आसपास की अन्य दुकानों और घरों तक नहीं पहुंच सकी।

800 विद्यार्थियों का परखा सामान्य ज्ञान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। गिविंग एंड शेयरिंग ट्रस्ट ग्रुप द्वारा पांचवीं बार सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का प्रथम चरण रविवार को अशोकनगर एवं मुंगावली में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस वर्ष प्रतियोगिता में कुल 800 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में कक्षा 5वीं-6वीं एवं कक्षा 7वीं-8वीं के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग वर्ग बनाए गए हैं। प्रत्येक वर्ग में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी, जबकि अगले 50 स्थानों पर आने वाले प्रतिभागियों को शील्ड एवं मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं, कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता का अगला चरण 20 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में शीर्ष 10 स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के बीच केबीसी की तर्ज पर रोचक प्रश्नोत्तर



प्रतियोगिता होगी। इसमें प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी, जबकि अगले 50 प्रतिभागियों को शील्ड एवं मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

सभी प्रतिभागियों को मिलेगा प्रमाण-पत्र

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को जीएसटी ग्रुप की ओर से सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए, जिससे बच्चों का उत्साहवर्धन किया जा सके। 20 दिसंबर को आयोजन विवेकानंद स्कूल में किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रंजीत यादव उपस्थित रहेंगे।

शिक्षा के साथ सेवा का उद्देश्य

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के आयोजन से प्राप्त राशि का उपयोग सामाजिक सेवा कार्यों में किया जाता है। ग्रुप हर वर्ष इस राशि से किसी आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बच्चे की स्कूल फीस जमा कराकर उसकी शिक्षा में सहयोग करता है। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान एवं प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना ही नहीं, बल्कि सिमाज सेवा करना भी है।

भाजपा किसान मोर्चा अशोकनगर की जिला कार्यकारिणी घोषित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। भारतीय जनता पार्टी म.प्र. के प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल एवं किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, ग्वालियर संभाग प्रभारी डॉ. निशांत खरे, जिला प्रभारी शैलेन्द्र जैन, किसान मोर्चा संभाग प्रभारी मेघसिंह गुर्जर की अनुमति व भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी की अनुशंसा पर भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मवीर सिंह रघुवंशी द्वारा किसान मोर्चा अशोकनगर के जिला पदाधिकारियों की घोषणा की गई।

घोषित जिला कार्यकारिणी इस प्रकार है

जिला उपाध्यक्ष - मिठ्ठन सिंह रघुवंशी, रामराज सिंह दांगी, खलक सिंह यादव, रविन्द्र यादव, ब्रजेन्द्र सिंह यादव, देवेन्द्र शर्मा
जिला महामंत्री - सोनू खजुरिया, हरगोविन्द लोधी
जिला मंत्री - शिवराज सिंह गुर्जर, यशवर्धन सिंह यादव, रामभरत रघुवंशी, श्री विवेक यादव, रामकृष्ण शर्मा, अपेश रघुवंशी
कोषाध्यक्ष - लक्ष्मी कुमार यादव
सहकोषाध्यक्ष- अरुण अग्रवाल
जिला कार्यालय मंत्री - अर्जुन सिंह रघुवंशी
जिला सह कार्यालय मंत्री - अरुण तरफदार
मीडिया जिला प्रभारी - रिक्त
मीडिया जिला सह प्रभारी - अंशुल साहू
सोशल मीडिया जिला प्रभारी - ज्ञानचंद जैन
नीति एवं शोध जिला प्रभारी- रघुवीर सिंह रघुवंशी
नीति एवं शोध जिला सह प्रभारी - प्रदीप शर्मा
लाभार्थी जिला प्रमुख - शिशुपाल जाटव
लाभार्थी जिला सह प्रमुख - नरेन्द्र सिंह रघुवंशी
शासन योजना प्रचार-प्रसार जिला प्रभारी - संदीप सिंह सिक्ख, **शासन योजना प्रचार-प्रसार जिला सह प्रभारी** - शहीद खां पठान
प्रशिक्षण जिला प्रभारी - प्रमोद रघुवंशी
प्रशिक्षण जिला सह प्रभारी - नंदकिशोर त्यागी
प्राकृतिक खेती जिला प्रभारी - रमेश भोंसले
प्राकृतिक खेती जिला सह प्रभारी - रामवीर सिंह रघुवंशी
मन की बात जिला प्रभारी- भैया यादव
मन की बात जिला सह प्रभारी जयपाल सिंह यादव
जिला अध्यक्ष धर्मवीर सिंह रघुवंशी ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए किसान हितों के लिए संगठन को मजबूत करने और शासन की योजनाओं को अंतिम किसान तक पहुँचाने का आह्वान किया।



आईटीआई राघौगढ़ में पांचवां कौशल दीक्षांत समारोह आयोजित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) राघोगढ़ में शनिवार को पाँचवाँ कौशल दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले तथा विभिन्न परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले उत्कृष्ट प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों के अभिभावक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य एवं प्रभारी बीईओ, एक्सीलेंस स्कूल राघोगढ़ तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में चिकित्सा अधिकारी डॉ. बरुआ उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र और सम्मान प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कौशल प्रशिक्षण को आत्मनिर्भरता और रोजगार का महत्वपूर्ण आधार बताया। संस्थान की प्राचार्य सुश्री पल्लवी पाराशर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान में संचालित कौशल प्रशिक्षण, व्यावहारिक शिक्षा और रोजगारोन्मुखी गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को अर्जित कौशल का उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने तथा देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण भी किया गया।

दिसंबर में देशव्यापी आंदोलन करेगी कांग्रेस : जीतू पटवारी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। कांग्रेस दिसंबर महीने में वोट चोरी और संविधान की रक्षा के मुद्दे को लेकर देशव्यापी रैली आयोजित करने जा रही है। यह ऐलान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने रविवार को गुना स्थित चिंताहरण टोल नाके पर मीडिया से चर्चा के दौरान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में होने वाले इस राष्ट्रीय आंदोलन के जरिए पार्टी देशभर में लोकतंत्र और मताधिकार की सुरक्षा को लेकर जनता के बीच जागरूकता अभियान चलाएगी।

गुना में मीडिया से बात करते हुए पटवारी ने कहा कि देश में लोकतंत्र और हर नागरिक के वोट के अधिकार की रक्षा करना कांग्रेस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से पार्टी दिसंबर में पूरे देश में बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी, जिसमें वोट चोरी के खिलाफ मुखर होकर आवाज उठाई जाएगी। इससे पहले,



ब्यावरा होते हुए गुना पहुंचे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मंत्री व राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह का सुबह करीब साढ़े 11 बजे चिंताहरण टोल नाके पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान कई कार्यकर्ता अपने बच्चों के साथ पहुंचे थे। भीड़ के बीच जीतू पटवारी का आत्मीय अंदाज देखने को मिला, जहां वे एक मासूम बच्चे को दुलार करते और उससे बातचीत कर उसका परिचय जानते नजर आए। स्वागत कार्यक्रम के बाद दोनों नेता शिवपुरी जिले के पोहरी के लिए रवाना हो गए। वहां विधायक कैलाश कुशवाहा द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 152वीं जयंती के अवसर पर आयोजित विशाल आमसभा में जीतू पटवारी और जयवर्धन सिंह, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ शामिल होंगे।

मंडी में किसानों से अवैध हम्माली वसूली का आरोप

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। कृषि उपज मंडी समिति गुना में किसानों से कथित तौर पर की जा रही अनियमित हम्माली वसूली का मामला सामने आया है। इस संबंध में वरिष्ठ नेता मानसिंह परसौदा ने केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखकर किसानों को इस वसूली से राहत दिलाने और उनकी समस्याओं का निराकरण कराने की मांग की है।

पत्र में मानसिंह परसौदा ने बताया कि मंडी में किसानों से हम्माली शुल्क वसूला जा रहा है, जबकि किसान अपनी उपज मंडी परिसर से लगभग 10 से 12 किलोमीटर दूर स्थित धर्मकांटे पर स्वयं ट्रैक्टर-ट्रॉली से लेकर जाते हैं। वहां किसानों को बिना किसी हम्माल की सहायता के अपनी उपज की तुलाई करानी पड़ती है। इसके बावजूद उन्हें हम्माली शुल्क के साथ धर्मकांटे पर तुलाई का शुल्क भी देना पड़ता है। पत्र में बताया गया है कि किसान स्वयं डीजल खर्च करके मंडी से धर्मकांटे तक उपज पहुंचाते हैं और तुलाई का कार्य भी खुद करवाते हैं। ऐसी स्थिति में हम्मालों का कोई योगदान नहीं होने के बावजूद किसानों से हम्माली शुल्क वसूलना उचित नहीं है। मानसिंह परसौदा ने पत्र में किसानों पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक बोझ का विवरण भी दिया है। इसके मुताबिक, हम्माली शुल्क 9.75 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से लगभग 450 से 500 रुपये, मंडी से धर्मकांटे तक ट्रैक्टर में डीजल का खर्च करीब 250 से 300 रुपये और धर्मकांटे पर तुलाई शुल्क 50 रुपये प्रति ट्रॉली है।

गोविंदपुरा ब्लास्ट की सच्चाई आई आमने

गुना। तीन युवकों के झुलसने के मामले में पुलिस जांच के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। शुरूआती तौर पर परिजनों ने दावा किया था कि खाना बनाते समय सिलेंडर में ब्लास्ट होने से यह हादसा हुआ, लेकिन जांच में सामने आया कि तीनों युवक यू-ट्यूब के जरिए स्काईशॉट बनाना सीख रहे थे और इसी दौरान चिंगारी भड़कने से झुलस गए। एसडीओपी विवेक अष्ठाना ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया है कि साबो बाई उर्फ सावित्री बाई (पत्नी स्वर्गीय रामलाल) के बेटे सक्षम और मनीष के साथ उनके मामा का लड़का माखन प्लास्टिक की बॉल बना रहे थे। इसके लिए उन्होंने एमेजॉन से ज्वलनशील पदार्थ मंगवाया था और बाजार से 120 शॉट का पटाखा भी खरीदकर लाए थे। घटना के समय घर में साफ-सफाई चल रही थी, जिस कारण अधिकांश सामान छत पर रखा था और इसी दौरान अचानक चिंगारी भड़कने से तीनों झुलस गए।

रोटरी रॉयल आयोजित करेगा स्वास्थ शिविर

बमौरी। रोटरी क्लब गुना रॉयल द्वारा गुना में आगामी 6 दिसंबर 2026 को स्थानीय मानस भवन में कटे-फटे होंठ एवं तालू के निःशुल्क ऑपरेशन हेतु चयन शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है इसी क्रम में शिविर के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से संस्था के सदस्यों ने बमौरी विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर जनसंपर्क कर लोगों को शिविर में आने का एवं अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुँचाने का आह्वान किया ।संस्था के सदस्य अभिजीत गोयल ,अभिषेक जैन सुरभी ,जितेंद्र वर्मा ,सचिव उत्कर्ष सराफ आदि ने शिविर के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर बैनर पोस्टर लगाए।

84 वर्षीय देवीलाल सुतार को भोपाल रेफर करने पर विवाद

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। जिला अस्पताल में भर्ती 84 वर्षीय देवीलाल सुतार, निवासी रोजड़ खुर्द, को उपचार के बाद भोपाल रेफर किए जाने को लेकर विवाद सामने आया है। मरीज के परिजनों ने अस्पताल में उचित उपचार नहीं मिलने और रेफर किए जाने की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए शिकायत की है।

जानकारी के अनुसार, देवीलाल सुतार को 20 नवंबर 2026 को जिला अस्पताल राजगढ़ में भर्ती कराया गया था। भर्ती के दौरान सबसे पहले डॉ. सुधीर कलावत ने मरीज को देखा। इसके बाद मरीज का



उपचार जिला अस्पताल में जारी रहा।

परिजनों का आरोप है कि मरीज को भर्ती रहने के दौरान अपेक्षित उपचार नहीं मिला। मरीज की स्थिति को लेकर परिजनों ने डॉक्टर से संपर्क करने का प्रयास भी किया। बाद में डॉ. योगेश दांगी ने मरीज को देखा। इसके बाद मरीज को भोपाल रेफर कर दिया गया। भोपाल में किए गए नेत्र परीक्षण के दस्तावेज के अनुसार, मरीज की बाईं आंख के आसपास और सिर की बाईं तरफ की त्वचा पर लगभग पांच दिनों से दाने होने की जानकारी दर्ज है। दस्तावेज में उल्लेख है कि शुरूआत में सिर की त्वचा पर दाने हुए थे, जो बाद में बाईं आंख के आसपास तक फैल गए। नेत्र परीक्षण में मरीज ने आंखों से संबंधित कोई विशेष शिकायत नहीं बताई। परीक्षण के दौरान आंखों की स्थिति का आकलन किया गया और दस्तावेज में उल्लेख किया गया कि फिलहाल सक्रिय नेत्र संबंधी भोपाल के दस्तावेज में मरीज को आगे के उपचार और प्रबंधन के लिए रेफर किए जाने का उल्लेख है। हालांकि, जिला अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान मरीज को क्या उपचार दिया गया और रेफर करने से पहले कौन-कौन सी जांच की गई, इसे लेकर परिजनों ने सवाल उठाए हैं। मामले को लेकर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जलालुद्दीन से उनका पक्ष जानने के लिए फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

NAME CHANGE

I, **BAKSHRAJ SINGH, S/o PRABHDEEP SINGH SANDHU, resident of Village Kukretha,** Chanderi, District Ashoknagar, Madhya Pradesh, hereby declare that I have changed my name from **BAKSHRAJ SINGH to BAKSHRAJ SINGH SANDHU.** Henceforth, I shall be known and identified by my new name **BAKSHRAJ SINGH SANDHU** for all purposes and in all records.

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)